Dainik DEVVRAT

दैनिक **देवव्रत**

www.dainikdevvrat.in

आजमगढ़, उ.प्र.
वर्ष 36, अंक 294
पृष्ठ 08, मूल्य 3.00
22 जुलाई 2026, बुधवार

लखनऊ, नई दिल्ली, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र (राबर्ट्सगंज, अनपरा, शक्तिनगर), सिंगरौली, मिर्जापुर, अयोध्या, गोरखपुर, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, मऊ, अम्बेडकरनगर एवं आजमगढ़ से प्रसारित

E-mail : dainikdevvrat@gmail.com



# राहुल-अखिलेश की गिरफ्तारी से सियासी भूचाल, देर रात रिहा

## पीएम आवास पर धरना देते नेता विपक्ष को गिरफ्तारी के दौरान लगी नाक में चोट, निकला खून

### ❑ कांग्रेस सांसदों के साथ प्रियंका गांधी भी हिरासत में

**नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।** प्रधानमंत्री आवास के बाहर छात्रों के समर्थन में धरने पर बैठे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने जबरन घसीटकर हिरासत में ले लिया। कार्रवाई के दौरान हुई धक्का–मुक्की में राहुल गांधी की नाक पर चोट लग गई और खून बहने लगा। घटना की तस्वीरें सामने आते ही देश की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया। कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार अब विपक्ष की आवाज़ को बल प्रयोग से कुचलने पर उतर आई है।

संसद के मानसून सत्र के बीच कांग्रेस सांसदों और नेताओं ने प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकालकर सोमवार को छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारी संसद में इस मुद्दे पर चर्चा और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। राहुल गांधी प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। जब पुलिस उन्हें हटाने पहुंची तो उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जारी रखा। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़कर घसीटते हुए उठाया और हिरासत में ले लिया। इसी दौरान उनकी नाक पर चोट लगी और खून बहने लगा। राहुल गांधी के साथ प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, केरल के वरिष्ठ नेता वी.डी. सतीशन सहित अनेक सांसदों और नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। प्रियंका गांधी ने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा, सरकार डरपोक है। वह हमसे डरती है, हम उससे नहीं डरते। पुलिस बस में चढ़ाए जाते समय उनका विरोध भी पूरे घटनाक्रम का प्रमुख दृश्य बन गया।

राहुल गांधी ने प्रदर्शन से पहले कहा था कि सरकार छात्रों पर हुई कथित पुलिस बर्बरता का जवाब देने से भाग रही है और संसद में चर्चा कराने को तैयार नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग दोहराई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जब देश का नेता प्रतिपक्ष भी शांतिपूर्ण धरना देने के अपने संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर सकता और उसे घसीटकर उठाया जाता है, तो आम नागरिकों के अधिकारों की स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। पार्टी ने कहा कि यह केवल राहुल गांधी की गिरफ्तारी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक असहमति पर बलपूर्वक कार्रवाई का उदाहरण है।

इस दौरान पंजाब कांग्रेस अभियान समिति के अध्यक्ष चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा समेत कई सांसदों और कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया। विपक्षी दलों ने इसे लोकतंत्र की काली तस्वीर बताते हुए संसद के भीतर और बाहर सरकार को घेरने का ऐलान किया। हालांकि, दिल्ली पुलिस का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास उच्च सुरक्षा क्षेत्र है और निषेधाज्ञा लागू होने के कारण प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया गया। वहीं कांग्रेस का आरोप है कि सरकार छात्रों के सवालों का जवाब देने के बजाय पुलिस के बल पर विरोध की आवाज़ दबाने की कोशिश कर रही है।

## 'कहां ले जा रहे हो, पुलिस भाई' अखिलेश का सवाल बना चर्चा का विषय

### ❑ सपा प्रमुख अखिलेश यादव की गिरफ्तारी की खबर से दिल्ली की सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

**नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।** प्रधानमंत्री आवास के बाहर छात्रों के मुद्दे पर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी विपक्ष के साथ धरने में शामिल हुए। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी नेताओं को हिरासत में लेकर वहां से हटाया। हिरासत के दौरान पुलिस वाहन में बैठे अखिलेश यादव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसमें वह मुस्कुराते हुए पुलिसकर्मियों से पूछते नजर आ रहे हैं। कहां ले जा रहे हो, पुलिस भाई।

संसद के मानसून सत्र के बीच कांग्रेस ने प्रधानमंत्री आवास 7, लोक कल्याण मार्ग की ओर मार्च कर छात्रों के मुद्दे, कथित पेपर लीक मामलों और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अचानक प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। कुछ ही देर बाद समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव भी धरनास्थल पर पहुंच गए, जिससे विपक्ष का प्रदर्शन और मुखर हो गया। स्थिति तनावपूर्ण होने पर दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स ने प्रदर्शनकारियों को हटाने की कार्रवाई शुरू की। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव समेत कई सांसदों और नेताओं को हिरासत में लेकर पुलिस वाहन से संसद मार्ग थाने ले जाया गया।

हिरासत के दौरान सामने आए वीडियो में अखिलेश यादव पुलिसकर्मियों से सहज अंदाज में पूछते हैं, कहां ले जा रहे हो, पुलिस भाई। उनका यह संवाद और मुस्कुराता हुआ चेहरा सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा का विषय बन गया। समर्थकों ने इसे विपरीत परिस्थितियों में भी उनके शांत और संयमित व्यवहार के रूप में साझा किया।

हिरासत में लिए जाने से पहले अखिलेश यादव ने कहा कि छात्रों की मांगों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी है कि वे छात्रों की मांगों पर ध्यान दें। सरकार संवाद से क्यों बच रही है। उन्होंने दोहराया कि समाजवादी पार्टी हमेशा युवाओं और छात्रों के अधिकारों की लड़ाई में उनके साथ खड़ी रही है। उधर, कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों और विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल कर रही है, जबकि पुलिस का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास उच्च सुरक्षा क्षेत्र होने के कारण निषेधाज्ञा के उल्लंघन पर





प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अन्य विपक्षी नेताओं की हिरासत के बाद यह मुद्दा संसद के भीतर और बाहर राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही पूरा सियासी बवडर खड़ा हो गया, जहां दिल्ली की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा है। वहीं उत्तर प्रदेश के सभी जिलों समाजवादी पार्टी के विधायकों, पूर्व विधायकों, पूर्व मंत्रियों सहित कार्यकताओं ने जगह–जगह धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

## कांग्रेस की गुप्त योजना : अचानक PM आवास के बाहर जुट गए सभी सांसद

**नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।** कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के जंतर–मंतर से संसद तक मार्च निकालने की कोशिश और इस दौरान पुलिस–प्रशासन की तरफ से छात्रों पर हुए बल–प्रयोग ने अब विपक्षी दलों को भी सरकार के खिलाफ सक्रिय कर दिया है। कांग्रेस के लोकसभा और राज्यसभा के कई सांसद मंगलवार को एकाएक ही प्रधानमंत्री के दिल्ली स्थित 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास के बाहर जुट गए और धरना शुरू कर दिया। विपक्ष ने छात्रों पर हुए लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया और नीट पेपर लीक को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। इस धरने के दौरान दिल्ली पुलिस के अधिकारी, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन



ने राहुल गांधी समेत सभी प्रदर्शन कारियों को धरना खत्म करने के लिए समझाने की कोशिश की। हालांकि, अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, राहुल ने धरनास्थल से हटने से इनकार कर दिया है। राहुल ने देशवासियों से धरने में शामिल होने की अपील भी कर दी। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर कांग्रेस के सांसद अचानक से संसद सत्र के बीच प्रधानमंत्री आवास के बाहर कैसे जुट गए और धरना शुरू कर दिया। धरने में कौन–कौन शामिल है।

'देवव्रत' हिन्दी दैनिक



' नहीं मरी आवाज '

हिटलरशाही तर्ज पर,
खुलकर नाचा राज ।
फिर भी धरना ना मरा,
नहीं मरी आवाज ।
श्रेष्ठ भावी भारत की ।

दो टूक - धीरू भाई
22 जुलाई 2026

## कर्नाटक-केरल के सीएम सहित कांग्रेस के सांसद हिरासत में लिये गये

**नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।** राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता दिल्ली में मंगलवार (21 जुलाई) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं प्रधानमंत्री आवास के बाहर हो रहे इस प्रदर्शन में दो मौजूदा मुख्यमंत्री दृ कर्नाटक के डीके शिवकुमार और केरल के वीडी सतीशन भी मौजूद हैं। संसद के मानसून सत्र के बीच कांग्रेस सांसदों और नेताओं ने प्रधानमंत्री आवास की ओर पैदल मार्च किया. वे मोदी सरकार की कथित युवा–विरोधी नीतियों और सोमवार को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर की गई पुलिस बर्बरता के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, 'हम कल छात्रों के साथ हुई बर्बरता को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से जवाब मांगने के लिए उनके आवास तक मार्च करके पहुंचे हैं सरकार न तो इस मामले में कोई जवाबदेही लेना चाहती है और न ही इस पर संसद में बहस कराना चाहती है। उन्होंने आगे जोड़ा, 'भारत के युवाओं का भविष्य बर्बाद करने के लिए प्रधानमंत्री



और गृह मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए. 'इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग के बाहर प्रदर्शन कर रहे कुछ सांसदों और कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया है। हिरासत में लिए गए नेताओं में पंजाब कांग्रेस अभियान समिति के अध्यक्ष चरणजीत सिंह चन्नी भी शामिल थे. उन्होंने छात्रों की चिंताओं पर बात करने से इनकार करने और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ 'आतंक जैसे हथकंडे' अपनाने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया. विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए जाने के बाद कांग्रेस नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा, 'यह गुंडागर्दी है. अगर सांसदों के साथ ऐसा बर्ताव किया जाएगा, तो छात्रों का क्या होगा।

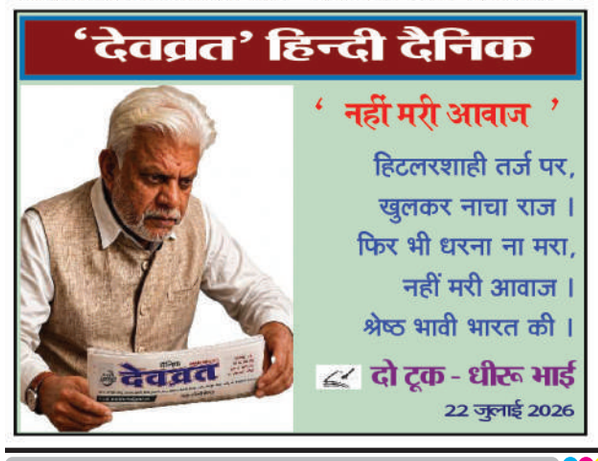

## राष्ट्रीय अध्यक्ष की गिरफ्तारी के विरोध में सपा के पूर्व मंत्री और विधायक अंबेडकर पार्क में धरने पर बैठे

**आजमगढ़, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को दिल्ली में हिरासत में लिए जाने की सूचना मिलते ही मंगलवार देर शाम आजमगढ़ में समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया। इसके बाद सपा जिलाध्यक्ष हवलदार यादव के नेतृत्व में अंबेडकर पार्क में विरोध धरना शुरू किया गया, जो देर रात तक जारी रहा।धरने में पूर्व मंत्री एवं विधायक दुर्गा प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री चंद्रदेव राम यादव, करैली विधायक नफीस अहमद, विधायक डॉ. संग्राम यादव, विधायक अखिलेश यादव तथा सांसद पूजा सरोज सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल हुए।

धरने को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि छात्रों के मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री आवास के बाहर शांतिपूर्ण विरोध कर रहे विपक्षी नेताओं को हिरासत में लेना लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा प्रहार है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के सवालों का जवाब देने के बजाय पुलिस बल के सहारे विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है।

वक्ताओं ने अखिलेश यादव की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी युवाओं, छात्रों और



लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रखेगी। नेताओं ने केंद्र सरकार से विपक्षी नेताओं के खिलाफ की गई कार्रवाई वापस लेने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करने की मांग की।

अंबेडकर पार्क में देर शाम शुरू हुआ यह विरोध धरना देर रात तक जारी रहा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अखिलेश यादव की रिहाई की मांग करते हुए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

# सोने ने पकड़ी रफ्तार, 10 ग्राम 1.47 लाख रुपये के पार पहुंचा, चांदी भी चमकी

**नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।** देश की राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमतों में 800 रुपये का बड़ा उछाल देखा गया। मजबूत भौतिक मांग और वैश्विक रुझानों के चलते 10 ग्राम सोने का भाव 1.47 लाख रुपये के पार पहुंच गया। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाली पीली धातु का भाव 1,47,700 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें सभी कर शामिल हैं। सोमवार को सोने का भाव 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, इस दौरान चांदी का भाव 2,21,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर और अपरिवर्तित रहा। घरेलू सर्राफा बाजार में कारोबारियों ने सोने में लगातार खरीदारी दर्ज की। वहीं, हालिया सुधार के बाद चांदी की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं आया और यह सपाट बनी रही।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक, जिंस, सौमिल गांधी ने बताया कि सोने की कीमतों में यह वृद्धि अमेरिका–ईरान के नए राजनयिक प्रयासों के कारण हुई। इन राजनयिक प्रयासों से भू–राजनीतिक तनाव में कमी आई है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई। इसने सर्राफा




बाजार को मजबूत समर्थन प्रदान किया। गांधी ने आगे कहा कि चीन से मजबूत भौतिक मांग बनी हुई है। साथ ही, केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार खरीदारी भी जारी है। इन दोनों कारकों ने बहुमूल्य धातुओं को लगातार सहारा दिया है। वैश्विक बाजारों में हाजिर सोना 50.12 अमेरिकी डॉलर यानी 1.25 फीसदी बढ़कर 4,057.89 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया। कोटक सिक्योरिटीज की एवीपी जिंस अनुसंधान, कायनात चौनवाला ने बताया कि हाजिर सोने की कीमतें मंगलवार को ऊपर चढ़ीं। यह 4,082 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के इंट्राडे उच्च स्तर पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह 4,000 अमेरिकी डॉलर से नीचे की गिरावट आई थी। इस गिरावट के बाद धातु ने अपनी खोई हुई जमीन वापस पाई है। चांदी भी 4 फीसदी से अधिक बढ़कर 58.80 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गई।

## घरेलू हवाई यातायात में जून में 12 फीसदी की गिरावट, यात्री संख्या 1.35 करोड़ हुई

**नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।** जून 2026 में घरेलू हवाई यातायात



में लगभग 12 फीसदी की गिरावट आई है। नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मई 2026 के 1.53 करोड़ यात्रियों की तुलना में जून में यह संख्या घटकर 1.35 करोड़ रह गई। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। जून 2025 में दर्ज 1.36 करोड़ यात्रियों की संख्या की तुलना में पिछले महीने यह गिरावट मामूली रही। आमतौर पर, जून, जुलाई और अगस्त का समय विमानन कंपनियों के लिए यात्रियों के मामले में कमजोर अवधि होता है। इंडिगो का बाजार हिस्सा मई के 64.9 फीसदी से बढ़कर जून में 66.3 फीसदी हो गया। वहीं, एयर इंडिया ग्रुप का बाजार हिस्सा 25.6 फीसदी से घटकर 23.9 फीसदी रह गया। अकासा एयर का बाजार हिस्सा भी मई के 5.8 फीसदी से बढ़कर जून में 6.4 फीसदी हो गया। स्पाइसजेट के बाजार हिस्से में गिरावट आई, जो मई के 2.5 फीसदी से घटकर पिछले महीने 1.9 फीसदी पर आ गया।

जनवरी से जून 2026 के दौरान घरेलू विमानन कंपनियों द्वारा 864.04 लाख यात्रियों को ले जाया गया। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि के 851.74 लाख यात्रियों की तुलना में 1.44 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, मासिक वृद्धि –1.03 फीसदी रही। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण ईंधन की बढ़ती कीमतों के चलते विमानन कंपनियों ने अपने नेटवर्क को अस्थायी रूप से कम किया था। जून में इंडिगो की ऑन टाइम परफॉर्मेंस (ओटीपी) 89.4 फीसदी रही, जो सबसे अच्छी थी। इसके बाद एयर इंडिया ग्रुप 85.9 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर रहा। अकासा एयर की ओटीपी 82.7 फीसदी, एलायंस एयर की 74.7 फीसदी और स्पाइसजेट की 33.5 फीसदी रही। ओटीपी का आकलन बेंगलुरु, दिल्ली, हैदराबाद, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद, कोचीन, गुवाहाटी और लखनऊ सहित दस प्रमुख हवाई अड्डों के लिए किया जाता है।पिछले महीने, निर्धारित घरेलू विमानन कंपनियों की कुल उड़ान रद्द होने की दर 0.63 फीसदी थी। जून में उड़ान रद्द होने से प्रभावित 43,968 यात्रियों को विमानन कंपनियों ने 61.98 लाख रुपये का मुआवजा और सुविधाएं दीं। उड़ान में देरी से प्रभावित 1,10,273 यात्रियों को सुविधाओं के लिए कुल 2.85 करोड़ रुपये खर्च किए गए। जून में 1,847 यात्रियों को बोर्डिंग से मना किया गया, जिसके लिए विमानन कंपनियों ने 64.84 लाख रुपये का मुआवजा और सुविधाएं प्रदान कीं।

## जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा को रोमांचक सीरीज की उम्मीद

**हरारे, 21 जुलाई (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।** जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने उन सुझावों को खारिज कर दिया है जिनमें भारत को आगामी टी20 सीरीज का प्रबल दावेदार बताया जा रहा है। उनका मानना है कि यह तीन मैचों की सीरीज कई लोगों की उम्मीदों से कहीं अधिक संतुलित होगी। इस सीरीज की शुरुआत गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होगी, जबकि बाकी दो मैच 25 और 26 जुलाई को इसी मैदान पर खेले जाएंगे। भारतीय टीम ब्रिटेन के अपने निराशाजनक सीमित ओवरों के दौरे से उबरने के इरादे से जिम्बाब्वे पहुंची है। नए टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में भारत को बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ 0–2 से सीरीज गंवानी पड़ी थी, जिसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में 0–4 से हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम वनडे सीरीज भी 1–2 से हार गई थी। ऐसे में इस विदेशी दौरे से पहले मेहमान टीम लगातार जवाब तलाश रही है।टी20 क्रिकेट में भारत के शानदार रिकॉर्ड के बावजूद, रजा का मानना है कि इस मुकाबले में किसी एक टीम को विजेता चुनना मुश्किल है। 136 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके इस दिग्गज ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि उनकी टीम के हालिया प्रदर्शन से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। रा ने कहा कि इस सीरीज में दोनों देशों के पास बराबर मौका रहेगा। उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि क्योंकि जिम्बाब्वे लगातार अच्छा और मनोरंजक क्रिकेट खेल रहा है, इसलिए यह सीरीज दर्शकों के लिए काफी रोमांचक होने वाली है।

### उ.प्र. पावर ट्रान्स. कारपोरेशन लि. विद्युत प्रेषण मण्डल, आजमगढ़

**ई-निविदा आमंत्रण की सूचना** **दिनांक 20.07.2026**

निविदा संख्या एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

1. जेम बिड सं. **GEM/2026/B/7758378:** विद्युत प्रेषण मण्डल, आजमगढ़ के अन्तर्गत अधिशासी अभियन्ता वि. 400 के.वी. उपकेन्द्र खण्ड कसारा–मऊ अधिशासी अभियन्ता विद्युत खण्ड बलिया एवं उपखण्ड अधिकारी, विद्युत प्रेषण उपखण्ड–I एवं II अन्तर्गत विद्युत प्रेषण खण्ड, मऊ के उपयोर्थ 24 महीने की अवधि के लिए ड्राइवर और ईंधन सहित 04 अदद् वाहन किराए पर उपलब्ध कराने का कार्य। निविदा मूल्य–रू. 1770.00, धरोहर धनराशि रु. 41,000.00

अंतिम तिथि 28.07.2026 17.00 बजे

विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट https://gem.gov.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएँ वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेगी।

**'स्वहित एवं राष्ट्रहित में बिजली बचावें'**

अधीक्षण अभियन्ता
विद्युत प्रेषण मण्डल
आजमगढ़

पत्रांक: 581 / वि.प्रे.मं.(आ.) / निविदा दिनांक 21.07.2026

### पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल द्वितीय, आजमगढ़

**ई-निविदा सूचना 29/EDC-II(A) / 2026–27** **दिनांक 21.07.2026**

कार्य का नाम– वि.वि.खं. फूलपुर, सठियांव एवं कप्तानगंज आजमगढ़ के कार्य क्षेत्र में ओ.एण्ड.एम मद के अन्तर्गत 36 अदद 33 / 11 के.वी. विद्युत उपकेन्द्रों पर स्थापित 33 के.वी. एवं 11 के.वी. इनकमिग एवं आउटगोइंग वी.सी.वी. पैनेल के मरम्मत का कार्य सामग्री सहित।

| | |
|---|---|
| ई–निविदा प्रपत्र शुल्क रू 3540.00 | धरोहर धनराशि रू 16000.00 |

ई–निविदा की अंतिम तिथि 31.07.2026 12.00 बजे

विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएँ वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेगी।

**'स्वहित एवं राष्ट्रहित में बिजली बचावें'**

अधीक्षण अभियन्ता
विद्युत वितरण मण्डल–द्वितीय,
आजमगढ़

पत्रांक: 2392 / वि.वि.म.द्वि.(आ.) / ई–निविदा प्रकाशन / दिनांक 21.07.2026

### उ0प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड विद्युत 400 के.वी. उपकेन्द्र खण्ड हाफिजपुर, आजमगढ़

**जेम-निविदा सूचना** **दिनांक 22.07.2026**

निविदा संख्या एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

1. जेम बिड सं. **GEM/2026/B/7804164:** विद्युत 400 के.वी. उपकेन्द्र आजमगढ़ पर 312.5 KVA D.G-set के प्रीवेंटिव मेंटीनेन्स कार्य हेतु। जेम–निविदा की अंतिम तिथि– 28.07.2026 समय 11.00 बजे।
2. जेम बिड सं. **GEM/2026/B/7804907:** विद्युत 220 के0वी0 उपकेन्द्र आजमगढ़ पर द्वितीय डी०सी० स्त्रोत के लिए DCDB की स्थापना के कार्य हेतु। जेम–निविदा की अंतिम तिथि– 28.07.2026 समय 13.00 बजे।
3. जेम बिड सं. **GEM/2026/B/7805230:** विद्युत 400 के0वी0 उपकेन्द्र आजमगढ़ पर अनुरक्षण कार्य हेतु स्पेयर पार्ट्स (कण्डक्टर, स्पेसर, क्लैम्प) क्रय करने हेतु। जेम–निविदा की अंतिम तिथि– 03.08.2026 समय 12.00 बजे।

विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र जेम की वेबसाइट https://gem.gov.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएँ वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेगी।

**'स्वहित एवं राष्ट्रहित में बिजली बचावें'**

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत 400 के०बी० उपकेन्द्र
खण्ड उ0प्र0 पावर ट्रान्स०कार्पो
लिमिटेड हाफिजपुर, आजमगढ़

पत्रांक: 377 / वि.400 के.वी.(आ.) / निविदा दिनांक 21.07.2026

### अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा शेखपुर मु. चत्तुरपुर
**हरिश्चन्द्र बनाम रामचन्द्र आदि**

बनाम–रामचन्द्र 2. बाबूलाल 3. पवन कुमार पुत्रगण रामफरे 4. हीरालाल 5. जियालाल पुत्रगण चन्द्रिका 5. कमला देवी पत्नी चन्द्रिका साकिनान शेखपुर मु. चत्तुरपुर तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 6. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत शेखपुर मु. चत्तुरपुर तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 30 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 20 माह 07 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

### अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेस्पाण्डेन्ट बाबत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
बअदालत अपर आयुक्त (न्यायिक)
आजमगढ़ मण्डल, आजमगढ़
मु.नं. सी 202315000001730
धारा 24 (4) राजस्व संहिता
**अवधेश बनाम सुधाकर**

बनाम–सुधाकर 2. कल्पू 3. अजय 4. सुरेन्दर पुत्रगण सूबेदार 5. राजमति पत्नी सूबेदार 6. समसेर पुत्र बृजमोहन साकिनान मसिना परगना घोसी तहसील सदर जनपद मऊ 7. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत बीबीपुर परगना घोसी तहसील सदर जनपद मऊ। —प्रतिवादीगण

मुत्तिला हो कि अपील बनाराजी डिगरी

इस मुकदमे में धनराशि में पेश किया गया वह इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत में तारीख 07 महीना 08 सन् 2026 ई0 वास्ते समायत इस अपील के मुकर्रर की है। अगर खुद आप या आपके वकील या और कोई शक्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवाल करने का मजाज हो हाजिर न आयेगा तो उसका समायत और तजवीज आपके गैर हाजिरी में एकतरफा की जायेगी। आज बतारिख 13 माह 07 सन् 2026 ई0 मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत से जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

### अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत मुख्य राजस्व अधिकारी, आजमगढ़
धारा 30 (2) उप्रासं 2006 मौजा बनगांव
**रामसुन्दर बनाम विमला**

बनाम–पार्वती पत्नी हीरालाल 2. गीता पत्नी संतोष 3. संतोष पत्नी संजय 4. विमला पत्नी राजमन 5. सन्नी पुत्र राजमन 6. इन्द्रजीत पुत्र सीताराम 7. अमित 8. शिवम पुत्रगण दौलत 9. सरिता पत्नी दौलत 10. रविकान्त पुत्र राजा 11. निशिकान्त पुत्र राजा 12. आशा पत्नी राजा 13. शशिकान्त पुत्र राजमन साकिनान बनगांव परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 24 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 17 माह 07 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

### अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत मुख्य राजस्व अधिकारी, आजमगढ़
धारा 30 (2) उप्रासं 2006 मौजा बड़ौरा बुजुर्ग
**ओमप्रकाश बनाम विजय कुमार**

बनाम–इन्द्रावती पत्नी फेरू 2. विजय कुमार 3. विरेन्द्र कुमार 4. संजय कुमार पुत्रगण फेरू साकिनान व पोस्ट बड़ौरा बुजुर्ग परगना करियातमित्तू तहसील सदर जनपद आजमगढ़

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 24 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 17 माह 07 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

### अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा बेगपुर आयमा

**राममिलन** 2. शिवचन्द 3. बालचन्द पुत्रगण बंशी 4. पार्वती पत्नी बंशी साकिनान बेगपुर खालसा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —वादीगण

बनाम

**जगदीश** पुत्र झिन्नू 2. सुनील 3. अनिल 4. अरविन्द पुत्रगण राजाराम 5. कैलाश 6. गुड्डू 7. राहुल पुत्रगण रामनारायण 8. भारत नारायण पुत्र रामनारायण 9. राजेश मौर्य पुत्र बलिराम 10. बृजेश पुत्र बलिराम 11. दीपक 12. दुर्गेश पुत्रगण घनश्याम 13. सीमा 14. इन्दू पुत्रीगण घनश्याम 15. गायत्री पत्नी घनश्याम 16. रामजीत 17. लालजीत 18. रामजियावन पुत्रगण लौटू 19. लालबिहारी 20. फूलचन्द पुत्रगण चन्दर 21. संजय 22. श्रवण पुत्रगण मूलचन्द 23. मुनाफी पत्नी मूलचन्द साकिनान बेगपुर खालसा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 24. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय आजमगढ़ 25. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत बेगपुर खालसा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 28 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

### अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा अमुवारी नरायनपुर
**महेन्द्र बनाम पार्वती**

बनाम–पार्वती पत्नी कैलाश साकिन अमुवारी नरायनपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़, लक्ष्मीना पत्नी रामप्यारे साकिन महावतगढ़ तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़।—प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 05 माह 08 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 18 माह 07 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

## बंधन बैंक का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 35 फीसदी बढ़ा

**नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।**निजी क्षेत्र के बंधन बैंक ने वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दिखाया है। बैंक का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 35 फीसदी बढ़कर 502 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 372 करोड़ रुपये था। अप्रैल–जून 2026 की अवधि में बैंक की शुद्ध ब्याज आय 5.9 फीसदी बढ़कर 2,921 करोड़ रुपये रही। यह एक साल पहले 2,757 करोड़ रुपये थी। बैंक की कुल शुद्ध आय 1.2 फीसदी की वृद्धि के साथ 3,524 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। जून 2026 तक सकल अग्रिम 16.4 फीसदी बढ़कर 1,55,555 करोड़ रुपये हो गए। एक साल पहले यह आंकड़ा 1,33,625 करोड़ रुपये था। खुदरा ऋण पुस्तिका (आवास को छोड़कर) में 45 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। थोक बैंकिंग में 38 फीसदी की वृद्धि हुई। आवास ऋण पुस्तिका 6 फीसदी बढ़ी। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता ने कहा कि यह प्रदर्शन बैंक की मजबूती को दर्शाता है। बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में क्रमिक सुधार देखा गया है। सकल गैर–निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) तिमाही में 3.1 फीसदी रहीं। पिछली तिमाही में यह 3.3 फीसदी थीं। शुद्ध एनपीए 0.9 फीसदी रहा, जो पिछली तिमाही में 1 फीसदी था। सालाना आधार पर सकल एनपीए में 182 आधार अंक और शुद्ध एनपीए में 43 आधार अंक का सुधार हुआ।30 जून 2026 तक प्रावधान कवरेज अनुपात 85.9 फीसदी रहा। कर के अलावा प्रावधान और आकस्मिकताएं 683 करोड़ रुपये रहीं, जो 40 फीसदी कम है। बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 18.2 फीसदी दर्ज किया गया।

### अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा अमुवारी नरायनपुर
**महेन्द्र बनाम देवेन्द्र**

बनाम–देवेन्द्र व विनोद व रामसिंह पुत्रगण लालता साकिनान अमुवारी नरायनपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 05 माह 08 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 18 माह 07 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

### अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा अमुवारी नरायनपुर
**रामसहाय बनाम देवेन्द्र**

बनाम–देवेन्द्र व विनोद व रामसिंह पुत्रगण लालता साकिनान अमुवारी नरायनपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 05 माह 08 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 18 माह 07 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

### अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
वाद सं. 5
धारा 38 (2) उप्रासं 2006 मौजा नन्दना
**हरिश्चन्द सिंह बनाम गांवसभा**

बनाम–गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत नन्दना परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 2. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय आजमगढ़।—प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 23 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

### अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
वाद सं. 110
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा लहरपार
**रामप्यारे बनाम शिवकुमार आदि**

बनाम–शिवकुमार 2. राधेश्याम पुत्रगण किशोर साकिनान लहरपार परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 3. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत लहरपार परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 23 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

### अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
**न्यायालय जनपद न्यायाधीश, आजमगढ़**
मु.नं. 57 / 2026
**आशुतोष कुमार मिश्र–सायल**
**बनाम**
**श्रीमती गीता–विपक्षी**

बनाम–श्रीमती गीता पत्नी अनिल कुमार 2. श्रीमती सुष्मिता पत्नी अमित कुमार साकिनान ग्राम रघुपुर परगना गोपालपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 3. अनुज पुत्र अभिमन्यु साकिन टाउन एरिया रविदास नगर महराजगंज परगना गोपालपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के 08 के 14 दिवस 10 बजे प्रातः स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिस्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

14.08.2026 आपत्ति / निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी। आज्ञा से–
जनपद न्यायाधीश, आजमगढ़

### अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (जू.डि.) शहर, आजमगढ़ द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
सक्सेशन प्रार्थना प. सं. 26 / 2026
**सुखराजी आदि बनाम सायलान**

बनाम–सुखराजी देवी उम्र करीब 66 साल पत्नी स्व. रामअचल 2. सतेन्द्र उम्र करीब 40 साल 3. नरेन्द्र उम्र करीब 31 साल 4. धीरेन्द्र उम्र करीब 30 साल 5. देवेन्द्र उम्र करीब 26 साल पुत्रगण स्व. रामअचल साकिनान कड़छा पोस्ट बस्ती बाया सरायमीर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —सायलान

अपने मृत को देयऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिए प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिए सन् 1889 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन का आवेदन उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के लिए। चूंकि ने प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए आवेदन किया है और सन् 2026 के 08 को 24 दिवस आवेदन की सुनवाई के लिए नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र के सम्बन्ध में आपत्ति हो या अधिवक्ता द्वारा 10 बजे पूर्वाह्न न्यायालय सिविल जज (अवर खण्ड) आजमगढ़ में नियत दिनांक पर उपसंजात होकर अपनी आपत्ति पेश करे। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदक के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

24.08.2026 आपत्ति / निस्तारण
200 के के दिवस को दिनांकित।
आज्ञा से–
सिविल जज (जू.डि.) शहर, आजमगढ़

### अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 21 / 24 उप्रासं 2006 मौजा जोहपतपुर
**केदार बनाम जगदीश**

बनाम–जगदीश पुत्र रामकरन 2. योगेन्द 3. रणविजय 4. राजेन्द्र पुत्रगण भगौती साकिनान जोहपतपुर परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 5. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत महादेवपुर परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़।—प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 24 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

संस्थापक :
स्मृतिशेष श्री ठाकुर प्रसाद यादव
सम्पादक :
श्री विजय कुमार यादव
स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री विजय कुमार यादव के लिए स्वाभिमान प्रकाशन, शहीद द्वार (सिविल लाईन) आजमगढ़ से मुद्रित कराकर 'देवव्रत' हिन्दी दैनिक कार्यालय, 31 शहीद द्वार आजमगढ़–276001 से प्रकाशित।
पो.रजि.नं. : आ./एन.पी.–92
टेली फैक्स : 05462–297576
मोबाइल : 9415370246
RNI NO. 56765/92

## किसानों का दिल्ली कूच स्थगित, बार्डर पर तीन किमी लंबा जाम

सोनीपत, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। सोनीपत में कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर लगा 3 किमी लंबा जाम। करनाल में बैरिकेडिंग लगाते पुलिसकर्मी। अंबाला में बॉर्डर की तरफ बढ़ते किसान। अमेरिका-भारत फ्री ट्रेड डील के विरोध में पंजाब और हरियाणा के किसानों ने मंगलवार को प्रस्तावित दिल्ली कूच और किसान घाट महापंचायत फिलहाल स्थगित कर दी है। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस की सख्ती तथा हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के साथ हुई बैठक के बाद किसान वापस लौट गए। कुरुक्षेत्र पुलिस ने किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी को भी रिहा कर दिया।भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव दिलबाग सिंह दिराजके ने बताया कि हिरासत में लिए गए किसान नेताओं की रिहाई और केंद्र सरकार से वार्ता कराने पर सहमति बनने के बाद धरना स्थगित करने का फैसला लिया गया।

## होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल टैंकर पर हमला

वाशिंगटन, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच पूर्ण युद्ध का खतरा एक बार फिर गहरा गया है। मंगलवार तड़के ईरान ने सामरिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में एक तेल टैंकर को निशाना बनाया। इस हमले के बाद जहाज में सवार चालक दल को अपनी जान बचाकर टैंकर छोड़ना पड़ा। वहीं, अमेरिका लगातार ईरान पर हवाई हमले कर रहा है। अमेरिका के लगातार 10 रातों तक हुए हवाई हमलों के बावजूद तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए हुए है।

## बांग्लादेश में पहली बार घुसे इजरायली एजेंट्स

कीव, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। इजरायल अचानक बांग्लादेश के पीछे पड़ गया है। पहली बार इजरायल ने खुलकर बांग्लादेश को अपने टारगेट पर लिया है। इजरायल बांग्लादेश के खिलाफ जानकारियां जमा कर रहा है। मोसाद की लिस्ट में बांग्लादेश का नाम जोड़ दिया गया है। पिछले कई महीनों से इजरायल बांग्लादेश के कट्टरपंथी नेताओं की मूवमेंट को फॉलो कर रहा था। उनके बयानों को ध्यान से सुन रहा था। बांग्लादेश के कट्टरपंथी इजरायल और यहूदियों को खत्म करने की बातें कर रहे थे। इसी कड़ी में भारत में इजरायल के राजदूत रूबेन नजार ने एक इंटरव्यू में पहली बार बांग्लादेश का नाम लिया है। रूबेन नजार ने कहा है कि हमें बांग्लादेश के अंदर हमास से जुड़े संदिग्ध आतंकियों की मूवमेंट दिखी है। हम बांग्लादेश में हमास के नेटवर्क पर नजर रख रहे हैं। इजरायली राजदूत ने कहा है कि हम बांग्लादेश से जुड़ी जानकारियां इलाके में अपने क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ साझा कर रहे हैं।

## सोनम रघुवंशी करें सरेंडर या मेरिट पर फैसला सुनें-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी के सामने दो विकल्प रखे। सोनम पर अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप है। यह मामला मेघालय सरकार की उस याचिका से जुड़ा है जिसमें सोनम को मेघालय की निचली अदालत से मिली जमानत को चुनौती दी गई थी; इस जमानत को मेघालय हाई कोर्ट ने भी बरकरार रखा था। जस्टिस एमएम सुंदरेश और पीबी वराले की बेंच ने सोनम के वकील से कहा कि कोर्ट या तो उनकी दलीलें सुनने के बाद मेघालय सरकार की अपील (उनकी जमानत के खिलाफ) पर मेरिट के आधार पर फैसला कर सकता है, या फिर उन्हें अभी सरेंडर करने (गवाहों से पूछताछ के लिए) का निर्देश दे सकता है, जबकि कोर्ट जमानत के मुद्दे पर विचार करेगा।

## जंगली हाथियों ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला, वन विभाग ने तैनात किया टीम

हजारीबाग, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। झारखंड के हजारीबाग जिले में जंगली हाथियों ने एक अधेड़ व्यक्ति को कुचलकर मार डाला। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार को बरकट्ठा थाना क्षेत्र के बरकनगांगो गांव में हुई। मृत व्यक्ति की पहचान इसी गांव के निवासी चिंतामणि साव के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को उनका शव एक खेत में पड़ा मिला। बरकट्ठा थाना प्रभारी आशीष कुमार ने कहा, साव सोमवार दोपहर खेत में गए थे, तभी जंगली हाथियों ने उन्हें कुचलकर मार डाला।

## उत्तराखंड में भारी बारिश और भूस्खलन के बाद दोबारा शुरू हुई चारधाम यात्रा

देहरादून, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन की वजह से एहतियात के तौर पर अस्थायी रूप से रोकी गई प्रसिद्ध चारधाम यात्रा मंगलवार को एक बार फिर शुरू हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को इस यात्रा को स्थगित किया गया था, लेकिन यात्रा मार्गों की आवश्यक समीक्षा और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेने के बाद इसे पुनः सुचारु रूप से संचालित करने का फैसला लिया गया।

## 60 साल के करियर में ऐसा माहौल नहीं देखा-खरगे

नई दिल्ली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन और संसद चलो मार्च के दौरान पुलिस की कार्रवाई को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला है। संसद परिसर में अपनी बात रखते हुए खड़गे ने कहा, ₹हम देश में हो रहे अन्याय, उत्पीड़न और दबाव के मुद्दों को संसद में उठाना चाहते थे और इसके लिए समय मांगा था। लेकिन जैसे ही मैंने इस विषय पर बोलना शुरू किया, मेरा माइक बंद कर दिया गया। क्या इसी को लोकतंत्र कहते हैं? अगर आप लोकतंत्र में चर्चा ही नहीं कराना चाहते और हमारी आवाज सुनना ही नहीं चाहते, तो हम अपनी बात कहने कहां जाएं?₹

## उद्धव गुट पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, स्पीकर के विलय वाले फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। शिवसेना (यूबीटी) ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के उस फैसले को चुनौती दी, जिसमें उन्होंने पार्टी के छह सांसदों के महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दी थी। शिवसेना की ओर से सीनियर वकील देवदत कामत ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच के सामने यह मामला रखा। कामत ने बेंच से गुजारिश की कि इस याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को लिस्ट किया जाए। उखकने कहा कि हम देखेंगे। कामत ने बेंच को बताया कि 18 जुलाई को स्पीकर ने शिवसेना के छह सांसदों के शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दी थी। उन्होंने कहा कि स्पीकर ने (छह सांसदों के) विलय को मान्यता दे दी है।₹

# बात करने सरकार खुद आए-अभिजीत दीपके

### केजरीवाल, शरद पवार जंतर-मंतर पहुंचे, दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश- सोनम वांगचुक को शिफ्ट करें मेदांता

नई दिल्ली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन का आज 32वां दिन है। कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया है कि सरकार ने उनका समय बर्बाद किया है। दीपके बोले- उन्होंने हमारे प्रतिनिधिमंडल को बुलाया। उनके मोबाइल जब्त कर लिए। दोनों को एक तरह से जेपी नड्डा के घर पर नजबंद कर दिया गया था।

दीपके का कहना है कि अब वे सरकार से फिर बातचीत करने नहीं जाएंगे। अब सरकार को यहां जंतर-मंतर पर आना होगा। इधर, जंतर मंतर पर प्रदर्शन के बीच विपक्षी नेता सुप्रिया सुले, शरद पवार, अरविंद केजरीवाल उखढ के प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंच गए हैं। इससे पहले, दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को गीतांजलि अंगमो की याचिका पर सोनम वांगचुक को मेदांता शिफ्ट करने का आदेश दे दिया है।जंतर-मंतर पर ठएएळ पेपर लीक मामले को लेकर



विरोध प्रदर्शन का आज 32वां दिन है। कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया है कि सरकार ने उनका समय बर्बाद किया है। दीपके बोले- उन्होंने हमारे प्रतिनिधिमंडल को बुलाया। उनके मोबाइल जब्त कर लिए। आशुतोष रांका और सौरव दास को एक तरह से जेपी नड्डा के घर पर नजबंद कर दिया गया था।₹

उन्होंने आरोप लगाया, ₹पूरा प्लान टीम को तितर-बितर करने का था, ताकि जब अफरा-तफरी मचे तो कोई वहां न हो। इसीलिए उन्होंने उन्हें पांच घंटे तक बिठाए रखा और हमारा समय बर्बाद किया। एक तरफ तो आप बातचीत के लिए बुलाते हैं और दूसरी तरफ छात्रों पर लाठियां बरसाते हैं।₹हालांकि केंद्र सरकार ने इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा- वे (सरकार) छात्रों की बात नहीं सुनते। यह गुंडागर्दी है, सरासर गुंडागर्दी है। यह मनमानी से कम नहीं है।

दिल्ली के लोक कल्याण मार्ग पर प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी जाती है। यह एक अत्यधिक संवेदनशील और वीवीआईपी क्षेत्र है, जहां भारत के प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास है। इस क्षेत्र में अक्सर निषेधाज्ञा (सेक्शन 163 इठरर/धारा 144) लागू रहती है, जिसके तहत 5 या उससे अधिक लोगों के एक साथ इकट्ठा होने या मार्च निकालने पर सख्त पाबंदी होती है। प्रधानमंत्री आवास की सुरक्षा में विशेष सुरक्षा समूह तैनात रहता है, जिसे दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों (पैरामिलिट्री फोर्सेज) का सहयोग मिलता है।कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने मीडिया से कहा- ₹हमारी मांगें वही हैं, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, पीड़ितों के परिवारों को 1 करोड़ का मुआवजा, सोनम वांगचुक समेत सभी प्रदर्शनकारियों की तुरंत रिहाई। मैं सभी को बताना चाहता हूं कि यह एक लंबी लड़ाई है, लेकिन हम न सिर्फ इसे लड़ेंगे, बल्कि जीतेंगे भी।₹जब उनसे पूछा गया कि क्या वे सरकार से फिर बातचीत करेंगे, तो दीपके ने कहा, उन्हें यहां (जंतर-मंतर) आना होगा, अब हम उनके पास नहीं जाएंगे।

## मारुति की कारें अगस्त से 30,000 तक हो जाएंगी महंगी , 2 महीने में दूसरी बार कीमतें बढ़ाईं

नई दिल्ली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। देश की सबसे बड़ी पैसेंजर वाहन निमार्ता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोत्तरी का ऐलान किया है।कंपनी अपनी कारों के दाम 30,000 रुपए तक बढ़ाएगी। नई कीमतें अगस्त 2026 से लागू होंगी।

कंपनी ने 21 जुलाई, मंगलवार को शेयर बाजारों को भेजी जानकारी यानी रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। अलग-अलग मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग दाम बढ़ाए जाएंगे।कंपनी ने बताया कि लगातार बढ़ रही इनपुट कॉस्ट यानी लागत बढ़ने की वजह से यह फैसला लेना पड़ा है।पिछले कुछ महीनों में कंपनी ने अपने स्तर पर लागत घटाने की कोशिश की, ताकि ग्राहकों पर सीधा असर न पड़े। हालांकि, महंगाई दर ऊंची रहने और कारोबारी माहौल अनुकूल न होने की वजह से बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना मजबूरी हो गया है।इस साल मारुति सुजुकी की तरफ से यह पहली बढ़ोत्तरी नहीं है। इससे पहले कंपनी ने जून 2026 में भी अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में 30,000 रुपए तक का इजाफा किया था। उस बढ़ोत्तरी का ऐलान 21 मई 2026 को किया गया था। उस समय भी कंपनी ने इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी और महंगाई के दबाव को ही मुख्य वजह बताया था। अगस्त से लागू होने वाला नया संशोधन जून में हुई बढ़ोतरी के ऊपर अतिरिक्त इजाफा होगा।

मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में एंट्री-लेवल हैचबैक से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां बेचती है। इनमें एंट्री-लेवल मॉडल र-ढ१ी२२ड्ढ से लेकर प्रीमियम इनविक्टो शामिल हैं। फिलहाल कंपनी के पोर्टफोलियो की एक्स-शोरूम कीमतें 3.50 लाख से शुरू होकर 25 लाख तक जाती हैं। अगस्त से होने वाली बढ़ोतरी के बाद एंट्री-लेवल और प्रीमियम दोनों सेगमेंट की कारें महंगी हो जाएंगी।

## अमेरिका ने माना- ईरानी हमलों में 100 सैनिक हुए घायल

वॉशिंगटन डीसी, 21 जुलाई (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। अमेरिका ने मान लिया है कि ईरान के जवाबी हमलों में उसके करीब 100 सैनिक घायल हुए हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये सैनिक 7 जुलाई के बाद हुए हमलों में घायल हुए। इनमें से 96% सैनिक ठीक होकर ड्यूटी पर लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर को सिर पर हल्की चोट लगी थी। पार्नेल ने यह बयान न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट के जवाब में दिया, जिसमें दावा किया गया था कि रक्षा मंत्रालय ईरान के साथ युद्ध में घायल हुए अमेरिकी सैनिकों की जानकारी सार्वजनिक नहीं कर रहा है। पार्नेल ने कहा कि इसमें जानबूझकर देरी हुई।ऐसा सैनिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया।उधर अमेरिका और ईरान के बीच लगातार हमले जारी हैं। ईरान ने सोमवार को उन देशों को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। इसके जवाब में अमेरिका ने मंगलवार सुबह ईरान के 9 शहरों पर हवाई हमले किए।

# उप्र में सड़कों पर दौड़े मगरमच्छ, घरों में घुसा पानी

## 20 शहरों में बारिश, 2 में स्कूल किए गए बंद, 3 दिन में 10 मौतें

लखनऊ, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। यूपी में मानसून ने जोर पकड़ लिया है। मंगलवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी समेत 20 शहरों में रुक-रुककर बारिश हो रही है।पूरे प्रदेश में बादल छाए हैं।इसके अलावा, आज सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है। 66 में भारी बारिश हो सकती है।

पिछले 24 घंटे में प्रयागराज में इतनी बारिश हुई कि सड़कें तालाब बन गईं। बारिश का पानी घरों में घुस गया। अंडरपास में 2 फीट तक जलभराव होने से ट्रैफिक रोकना पड़ा। कौशांबी में घर में पानी भरने से सोफे-कुर्सियां तैरती दिखीं। पीलीभीत और बहराइच में खराब मौसम की वजह से सभी स्कूलों की छुट्टी कर दी गई। इधर, यूपी में कई नदियां उफान पर हैं। लखीमपुर में शारदा नदी का पानी गांवों में घुस गया है।पानी के साथ मगरमच्छ भी गांव तक पहुंच गए। खेतों और सड़कों पर दौड़ते दिखाई दिए। वाराणसी-प्रयागराज में घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। काशी में 50 छोटे



मंदिरों में पानी भर गया है।

इससे पहले, सोमवार को गोरखपुर, अयोध्या समेत 50 जिलों में बारिश हुई। फिरोजाबाद और उन्नाव के सरकारी अस्पताल में घुटनों तक पानी भर गया।शामली में नहर टूट गई। 10 फीट सड़क धंस गई।प्रदेश में पिछले 3 दिनों में बारिश और बिजली गिरने की वजह से 10 लोगों की मौत हो गई।लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया के कमजोर पड़ने के साथ ही मानसूनी गतिविधियां तेज हो गई हैं। मानसूनी रेखा श्रीगंगानगर, रोहतक, हरदोई, वाराणसी, रांची होते हुए उत्तरी पश्चिमी बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। ऐसे में यूपी में 24 जुलाई तक भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट रहेगा। इसके बाद 3-4 दिन कहीं-कहीं भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा।सोनभद्र में घाघरा नदी का जलस्तर बढ़ने से गुरमा जिला कारागार का वैकल्पिक संपर्क मार्ग पहली ही बारिश में बह गया। इससे जेल का सीधा संपर्क टूट गया है। अब लोगों को 7 से 8 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। इसका असर स्कूली बच्चों, मरीजों, मजदूरों और व्यापारियों पर पड़ रहा है।पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण वाराणसी में गंगा का जलस्तर पिछले एक सप्ताह में 10 फीट से अधिक बढ़ गया है। मणिकर्णिका घाट स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर समेत कई निचले घाट और मंदिर पानी में डूब गए हैं। गंगा का जलस्तर अभी भी करीब 1 सेमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। सावन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। नाविकों, पुजारियों और घाट किनारे कारोबार करने वालों की चिंता भी बढ़ गई है।

सहारनपुर के नानौता में गंगोह मार्ग स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भवन निर्माण कार्य के दौरान एक जहरीला कोबरा नाग मिलने से हड़कंप मच गया। मंगलवार सुबह हुई इस घटना की सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर कोबरा का सुरक्षित रेस्क्यू किया।

## यूक्रेन में शिप पर हमला 4 भारतीयों की मौत

कीव, 21 जुलाई (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। यूक्रेन के ओडेसा पोर्ट से रवाना हुए कार्गो जहाज टश गोल्डन लियो पर रविवार को हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। एक भारतीय गंभीर रूप से घायल है। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। इस बीच भारत सरकार ने रूस के राजदूत को तलब किया है। समाचार एजेंसी ढळकने सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। इससे पहले भारत सरकार ने सोमवार को हमले की कड़ी निंदा की थी और कहा कि कारोबारी जहाजों और बेगुनाह नागरिकों को निशाना बनाना पूरी तरह गलत है। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारतीय दूतावास लगातार यूक्रेनी अधिकारियों के संपर्क में है और प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद की जा रही है।उधर, यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक गोल्डन लियो जहाज ओडेसा से मक्का लेकर रवाना हुआ था। पोर्ट से निकलने के कुछ देर बाद उस पर तीन रूसी क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया। यूक्रेन की नौसेना ने कहा कि हमले के बाद जहाज में आग लग गई।

## भारत ऐ उभरती हुई अर्थव्यवस्था यूएन में उसे स्थायी सदस्यता मिले-पनामा




नई दिल्ली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। पनामा ने सोमवार को ग्लोबल गवर्नेंस संस्थानों में सुधार का जोरदार समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा इंटरनेशनल सिस्टम अब आज की हकीकत को नहीं दिखाता है और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन किया। अठक के साथ एक खास इंटरव्यू में पनामा के विदेश मंत्री जेवियर एडुआर्डो मार्टिनेज-आचा वास्केज ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और उभरती हुई महाशक्ति के तौर पर, भारत ग्लोबल फैसले लेने की प्रक्रिया में बड़ी भूमिका निभाने का हकदार है। मंत्री ने कहा कि आज की दुनिया 80 साल पहले के हालात को नहीं दिखाती है। भारत एक उभरती हुई महाशक्ति है, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, और हमारी राय में, आज की दुनिया की हकीकत को दिखाने के लिए ग्लोबल गवर्नेंस में बदलाव की जरूरत है।उन्होंने कहा कि पनामा वठरउ के स्थायी सदस्य के तौर पर भारत को शामिल करने का जोरदार समर्थन करता है। उन्होंने कहा, इसलिए, हम अच्छी भावना और मजबूत समर्थन के साथ देखते हैं कि भारत सुरक्षा परिषद का हिस्सा बन सकता है। मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र को और ज्यादा प्रतिनिधित्व वाला बनाने के लिए बड़े सुधारों की भी वकालत की और कहा कि लैटिन अमेरिका और कैरिबियन को भी सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा हमें संतुलन बनाने और संयुक्त राष्ट्र में बराबरी लाने की जरूरत है। हम इस बात का भी समर्थन करते हैं कि लैटिन अमेरिका और कैरिबियन देशों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट मिलनी चाहिए। इससे अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर ज्यादा बातचीत और संतुलित चर्चा को बढ़ावा मिल सकता है।₹

उन्होंने आगे कहा कि प्रतिनिधित्व बढ़ाने से संयुक्त राष्ट्र वैश्विक संकटों का ज्यादा असरदार तरीके से सामना कर पाएगा। उन्होंने कहा, ₹संयुक्त राष्ट्र में दुनिया का प्रतिनिधित्व बेहतर हो सकता है और दुनिया अलग-अलग संकटों के प्रति ज्यादा तेजी से प्रतिक्रिया दे सकती है क्योंकि हमें अलग-अलग क्षेत्रों से इनपुट मिल सकते हैं।

## नेपाल में एक रुपए के सिक्के से विवादित-नक्शा नहीं हटेगा

काठमांडू , 21 जुलाई (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। नेपाल सरकार ने एक रुपए के सिक्के से विवादित राष्ट्रीय नक्शा हटाने का प्रस्ताव खारिज कर दिया है। इस नक्शे में भारत के लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया है। नेपाल राष्ट्र बैंक ने पहले प्रस्ताव रखा था कि एक रुपए के सिक्के पर छपे नेपाल के विवादित नक्शे की जगह मुस्तांग के ऐतिहासिक मठ की तस्वीर लगाई जाए। इस नक्शे को सिक्के से हटाने की खबर जैसे ही बाहर आई, इसका विरोध होने लगा। इसके बाद मंत्रालय ने नेपाल राष्ट्र बैंक को निर्देश दिया कि डिजाइन में बौद्ध मठ के साथ नेपाल का राष्ट्रीय नक्शा भी शामिल किया जाए। इसके बाद संशोधित प्रस्ताव दोबारा मंजूरी के लिए भेजा जाए। इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि नेपाल सरकार ने एक रुपये के नए सिक्के को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों के मुताबिक, यह प्रस्ताव मौजूदा सरकार बनने से पहले तैयार होना शुरू हो गया था। इसका मकसद नेपाल की मुद्रा पर देश की अलग-अलग सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को जगह देना था। लो घेकर मठ नेपाल के अपर मुस्तांग में स्थित है। माना जाता है कि इसकी स्थापना आठवीं शताब्दी में गुरु पद्मसंभव (गुरु रिनपोछे) ने की थी। इतिहासकार इसे नेपाल के सबसे पुराने बौद्ध मठों में से एक ही नहीं है।

# मानसून सत्र में महिला आरक्षण, महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं की सुरक्षा पर हो बात-मायावती

नई दिल्ली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती ने मॉनसून सत्र के दौरान संसद के सुचारू कामकाज का आह्वान किया है और सत्ता पक्ष तथा विपक्ष दोनों से राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय महत्व के अहम मुद्दों पर ध्यान देने का आग्रह किया है। सत्र से पहले पर एक पोस्ट में मायावती ने कहा कि देश यह देख रहा है कि क्या संसद में सार्थक चर्चा होगी या बार-बार कार्यवाही स्थगित होने और हंगामे की वजह से कामकाज में बाधा आएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिलाओं की सुरक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक जैसे मुद्दों पर गंभीर बहस और समाधान की जरूरत है।

समयऔर कैलेंडरउन्होंने कहा कि अब जबकि संसद का मॉनसून सत्र कल, 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है, तो एक बार फिर देश और आम लोगों के मन में यह चिंता है कि क्या यह सत्र भी हंगामे, स्थगन और अव्यवस्था की भेंट चढ़ जाएगा, या फिर देश के ज्वलंत मुद्दों झ जैसे बेतहाशा महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिलाओं की असुरक्षा, अहम परीक्षाओं में पेपर लीक वगैरह झ से पैदा हुए तनावपूर्ण, आक्रोशित और



उत्तेजित माहौल को शांत करने और उनका संतोषजनक समाधान निकालने की कोई गंभीर कोशिश की जाएगी।

मायावती ने अयोध्या के श्री राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और कुप्रबंधन से जुड़े विवाद पर भी बात की। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे से जनता में भारी आक्रोश है और सत्र के दौरान यह एक बड़ा मुद्दा बन सकता है।

उन्होंने कहा कि वैसे, अयोध्या के श्री राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी, उसमें हेर-फेर और गबन को लेकर जनता में जो भारी आक्रोश है, उसने उत्तर प्रदेश और पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। लोग चुनावी फायदे के लिए धर्म का राजनीतिकरण करने वालों से जवाबदेही मांग रहे हैं और लोगों का दिल दुखाने के लिए उन्हें कटघरे में खड़ा कर रहे हैं।

इसकी गूंज सड़कों से लेकर अदालतों तक सुनाई दे रही है और यह मुद्दा संसद में भी निश्चित रूप से गरमाएगा, जिस पर लोगों की पैनी नजर है।

उन्होंने संसद का ध्यान आकर्षित करने वाले कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों का भी ज़िक्र किया, जिनमें पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद के हालात, राजस्थान में माताओं की मौत, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताएं, चुनाव के दौरान मुफ्त उपहार बांटने में कथित अनियमितताएं, सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार, पुलिस एनकाउंटर, लंबे समय से बसी कॉलोनियों को तोड़ा जाना और वैश्विक संघर्षों के कारण पैदा हुई आर्थिक चुनौतियां शामिल हैं।

# राज खुलने के डर से नहीं हो रहा शिक्षामंत्री का इस्तीफा-अखिलेश

नई दिल्ली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और लोकसभा सांसद अखिलेश यादव ने मंगलवार को केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने पेपर लीक के कथित मामले और राजधानी में उखढ के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए और कहा कि परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखना सरकार की ज़िम्मेदारी है। संसद में पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा कि सरकार पेपर लीक रोकने में नाकाम रही है और उन्होंने सत्ताधारी सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए। समाजवादी पार्टी के प्रमुख ने सोमवार के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि छात्रों पर बहुत ज्यादा बल प्रयोग किया गया।

यादव ने कहा, यह सुनिश्चित करना सरकार की ज़िम्मेदारी है कि पेपर लीक न हों। इतनी बड़ी गड़बड़ी के बाद भी सदन में नारे लग रहे हैं। इससे ज्यादा शर्मनाक और क्या हो




सकता है? सरकार की लाठियों से युवाओं और छात्रों के सिर फोड़े जा रहे हैं, आप आंसू गैस के गोले दाग रहे हैं, आप बिजली के झटके दे रहे हैं। क्या यही 'सबका साथ, सबका विकास' है? क्या यही 'अमृत काल' है? जवाबदेही की मांग को लेकर केंद्र पर निशाना साधते हुए यादव ने आरोप लगाया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने राजनीतिक कारणों से इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस्तीफे के लिए दबाव इसलिए नहीं बनाया जा रहा है क्योंकि उन्हें पता है कि अगर वह इस्तीफा देते हैं, तो वह दबे हुए राज खोल सकते हैं। यादव ने आगे कहा, ₹किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि आजादी के बाद कोई सरकार ऐसा व्यवहार करेगी।इससे पहले दिन में, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल का दौरा किया। वह सोमवार को उखढ के विरोध मार्च के बाद पुलिस कार्रवाई में घायल हुए लोगों से मिलने गए थे।नड्डा अस्पताल पहुँचे और विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल होने के बाद इलाज के लिए भर्ती लोगों से बातचीत की। अपने दौरे के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने घायलों की स्थिति और उन्हें दी जा रही चिकित्सा सुविधा की समीक्षा करने के लिए डॉक्टरों के साथ बैठक भी की। इलाज की व्यवस्थाओं का जायजा लेने और घायल लोगों से मिलने के बाद, नड्डा अस्पताल से चले गए। नड्डा के अलावा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी फ्टछ अस्पताल में घायल प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की।

## जरूरत पड़ी तो मैं दिल्ली जाऊँगी-ममता

कोलकाता, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह दिल्ली जाएंगी और 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगी। साथ ही, उन्होंने विपक्ष की एकजुटता का भी आह्वान किया। कोलकाता में 'शहीद दिवस' रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, ₹हमने शुरू से ही उखढ का समर्थन किया है। अगर जरूरत पड़ी, तो मैं दिल्ली जाऊंगी और उनके विरोध प्रदर्शन में शामिल होऊंगी। उन्होंने आगे कहा अब समय आ गया है कि इखढ के खिलाफ अलायंस' के बैनर तले एकजुट हुआ जाए। मैं देश की सभी पार्टियों और पूरे देश से, और बंगाल में भी, यही अपील करती हूं।दिल्ली में सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शन का ज़िक्र करते हुए बनर्जी ने कहा कि छात्रों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी गाड़ी मोड़ ली।

# अब ईरानी सेना यूरोप में घुसेगी-मोहसिन रिजाई

तेहरान, 21 जुलाई (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। बस दो से तीन दिन और और अमेरिका को उसकी जुर्रतों का मजा चखाया जाएगा। यह इशारे मोहसन रजाई के हैं। मोहसिन रजाई आईआरजीसी यानी पाजदराने इस्लाम के पूर्व कमांडर रहे हैं और इस वक्त वो ईरान में सुप्रीम लीडर के सलाहकार और वहां की सुप्रीम सिक्योरिटी काउंसिल के मेंबर हैं। उनकी बात को इसलिए भी गंभीरता से लिया जा सकता है कि उन्होंने ईरान इराक जंग के दौरान आईआरजीसी को लीड किया था। दरअसल ईरान में एक नेशनल न्यूज चैनल को दिए गए इंटरव्यू में मोहसिन रिजाई ने साफ इशारे दिए हैं कि अब ईरान ज्यादा बर्दाश्त नहीं करेगा। बस दो से तीन दिन और देखेगा और अगर अमेरिकी हिमाकत जारी रही तो ईरान अपने जंग लड़ने के अंदाज को एकदम से बदल देगा और जंग यूरोप तक जाएगी। हालांकि जंग लड़ने का नया अंदाज क्या होगा इसका खुलासा ईरान के पूर्व आईआरजीसी अधिकारी ने नहीं किया लेकिन उनके जंग को यूरोप तक ले जाने वाले इशारों से कयासों का दौर भी शुरू हो गया है।

मोहसिन रजाई के ये इशारे इसलिए भी अहम है क्योंकि ईरान में सरकार या आईआरजीसी सीधे तौर पर जंग की रणनीति पर कोई चर्चा नहीं करती लेकिन अपने सीनियर अफसरों या पूर्व अधिकारियों



के जरिए अपनी मंशा का इजहार भी कर देती है। इंटरव्यू में मोहसिन रिजाई ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि बस दो से तीन दिन बाद अमेरिका पछताएगा। अब उनकी इस धमकी पर कई तरह की थ्योरी सोशल मीडिया पर चल रही हैं। साथ ही ईरान में इस पर चर्चा हो रही है। कयास यह लग रहे हैं कि मुमकिन है कि ईरान के पास अमेरिका के यूरोप में मौजूद एसेट पर हमला करने की क्षमता आ गई हो। चर्चा तो यह भी है कि पर्शियन गल्फ में अमेरिका के जो इंटरेस्ट है उन्हें ईरान तबाह कर सकता है। अमेजन कंपनी के दफ्तर मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी तेल गैस इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल इसमें हो सकते हैं। ईरान का मीडिया तो यह भी आकलन कर रहा है कि अगर अमेरिका नहीं मानता है तो ईरान की मिसाइलें सऊदी अरब में मदीना के पास यंबू तेल पाइपलाइन को ध्वस्त कर सकती हैं। यह पाइपलाइन सऊदी ने सीधे अमेरिका की तरफ जहाजों से तेल भेजने के लिए तैयार कर रखी है। कयास है कि ईरान इसे टारगेट कर सकता है। मतलब जहां-जहां अमेरिका का इंटरेस्ट है उसे तबाह कर देगा ईरान। चाहे वो यूरोप हो या फिर पर्शियन गल्फ में। और तो और लोग सोशल मीडिया पर यह आकलन भी कर रहे हैं कि जंग के नए अंदाज में ईरान फारस के समंदर से गुजरने वाले ऑप्टिकल फाइबर केबल को भी काट सकता है। यह दुनिया के लिए एक बहुत बड़ी मुसीबत होगी। इंटरनेट थप हो जाएगा।

ईरान ने अमेरिका को थमने के लिए सिर्फ दो दिन की मोहलत दी है। उसके बाद यूरोप तक हमले की बात बड़े खतरे के संकेत हैं। कुवैत में ईरान ने भीषण तबाही मचा दी है।

क्या पावर प्लांट? क्या वाटर डिसलिनेशन प्लांट और क्या अमेरिकी सेना के बेस हथियार और गोला बारूद के वेयर हाउस कुवैत में इस वक्त हर ओर सिर्फ आग ही आग नजर आ रही है। मिसाइल गिर रहे हैं। ड्रोन हमले हो रहे हैं। दरअसल ईरान ने कुवैत के अलसुबिया पावर जनरेशन एंड वाटर डिसलिनेशन प्लांट पर ऐसा भीषण मिसाइल अटैक किया कि महज एक सेकंड के अंदर पूरे इलाके की बिजली व्यवस्था ठप हो गई।

# खेल आयोजनों में राजनीतिक हस्तक्षेप हमेशा उन्हें विवादित बनाते हैं

आखिरकार फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में स्पेन के हाथों पिछले चैंपियन अर्जेंटीना की हार के साथ ही दुनियाभर में छाया फुटबॉल का खुमार थम गया। निस्संदेह, यह फुटबॉल के इतिहास का सबसे बड़ा विश्वकप था। संभवतः हाल के दशकों में संपन्न विश्वकप मुकाबलों में सबसे अधिक विवादास्पद भी। इस आयोजन को सफल बनाने में तीन मेजबान देशों–अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की भागीदारी रही है। इस टूनार्मेंट में 48 टीमों ने शिरकत की और 104 मैचों का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने फुटबॉल की वैश्विक लोकप्रियता को तो दिखाया ही, साथ ही इस खेल के भविष्य को लेकर भी सवाल उठ खड़े हुए। बहरहाल, स्पेन ने 16 साल बाद अपना यह दूसरा खिताब जीता। उसने एक औसत दर्जे के फाइनल मुकाबले में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। वहीं दूसरी ओर तीसरे स्थान के लिए कड़ा मुकाबला टूनार्मेंट की दो सबसे शानदार टीमों इंग्लैंड और फ्रांस के बीच हुआ। इस बेहद रोमांचक और यादगार मुकाबले में इंग्लैंड ने 6-4 से जीत हासिल की। वहीं इस टूनार्मेंट में कुछ अल्प ज्ञात टीमों का प्रदर्शन फुटबॉल की दुनिया में उम्मीद जगाने वाला रहा। इस विश्व कप में कैप वर्डे, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और कुराकाओ जैसे छोटे देशों का प्रेरणादायक खेल दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। बहरहाल, एक बार फिर किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे फुटबॉल के बड़े सितारों ने इस सबसे बड़े मंच पर अपनी चमक बिखेरी। दूसरी ओर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए एक बार फिर कहानी निराशाजनक रही। उनके प्रशंसक उनकी यादगार विदाई चाहते थे। लेकिन किसी भी खिलाड़ी की कामयाबी में टीम वर्क की बड़ी भूमिका होती है। खिलाड़ियों की साझी भूमिका से ही बड़े स्टार खिलाड़ी चमक सकते हैं। यही वजह है कि किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे अद्भुत खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद विश्वकप खिताब से वंचित रह गए। निस्संदेह, किसी भी मजबूत टीम के नगीनों के साझे प्रयास से ही स्वर्णिम सफलता का निर्धारण हो पाता है ।बहरहाल, अब तक के सबसे बड़े और तीन देशों में खेले गए इस टूनार्मेंट के साथ कई तरह के विवाद भी जुड़े। टेक्नोलॉजी पर फीफा की बढ़ती निर्भरता को लेकर भी आलोचकों ने सवाल उठाये। विशेष रूप से वीडियो असिस्टेंट रेफरी यानी वीएआर सिस्टम को लेकर संशय पैदा हुआ। फुटबॉल प्रेमियों ने माना कि यह सिस्टम भरोसेमंद नहीं है। इसके उपयोग और भूमिका को लेकर कई खिलाड़ियों, कोचों और दर्शकों में नाराजगी देखी गई। वहीं दूसरी ओर अनिवार्य हाइड्रेशन ब्रेक को लेकर भी काफी हंगामा देखने में आया। दरअसल, ये अमेरिकी खेलों में होने वाले टैक्टिकल टाइमआउट जैसे थे। फुटबॉल प्रेमियों का आरोप था कि इससे खेल की लय टूटी है। दूसरी तरफ कमर्शियल मौके बनते देखे गए। यह पहले से तय था कि अनावश्यक दखलंदाजी के लिये चर्चित अमेरिकी राष्ट्रपति का दखल भी इस टूनार्मेंट में दिखेगा, क्योंकि इस आयोजन के मुख्य टूनार्मेंट अमेरिका में खेले जा रहे थे। इस आयोजन के दौरान तब विवाद सामने आया जब डोनाल्ड ट्रंप ने फीफा प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो से अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन को दिखाए गए रेड कार्ड की समीक्षा करने को कहा था। विवाद तब उठना शुरू हुआ जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दखल के बाद अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर से एक मैच का बैन हटा लिया गया, जिसके बाद बालोगुन ने राउंड-ऑफ-16 का मैच खेला। लेकिन इस अभूतपूर्व दखल के बाद दंभी अमेरिका टूनार्मेंट से बाहर होने से नहीं बच पाया। इसमें कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए कि जब डोनाल्ड ट्रंप फीफा प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो के साथ पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल होने के लिये मैदान पर आए तो लोगों ने अपनी भड़ास निकालते हुए खूब हूटिंग की। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस आयोजन के दौरान जो खामियां सामने आई, आने वाले विश्वकप में फीफा उन्हें दूर करने का प्रयास करेगा।

## जंतर-मंतर आंदोलन का अंत का मध्यांतर



• राकेश अचल

सिस्टम के खिलाफ जंतर-मंतर पर खडे हुए काकरोचों का आंदोलन बिना नतीजा समाप्त हो गया. सवाल ये है कि ये इस असंगठित, प्रायोजित आंदोलन का मध्यांतर है या अंत?

काकरोचों के आंदोलन के हीरो सोनम वांग्चुक ने जिस तरीके से जेपी नढ्ढा के आश्वासन के बाद अपना आमरण अनशन समाप्त करने का ऐलान किया है, इससे उन आरोपों की आंशिक पुष्टि हो गई है कि ये आंदोलन प्रायोजित था और युवाओं के गुस्से की हवा निकालने के लिए किया गया था.

हमारे बुंदेलखंड में ही क्या पूरी हिंदी पट्टी में एक कहावत है -' हलुआ मिला न मांडे, दोऊ दीन से गए पांडे'. मैं इस कहावत को अब यूँ कहना चाहता हूँ कि -'रबडी मिली न चमचम, दोनों दीन से गए सोनम'.ये इसलिए क्योंकि नीट की नाकामियों के खलनायक केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा नही हुआ और न सरकार काकरोचों के प्रति संवेदनशील बनी रही. संसद मार्च के लिए बढ रहे काकरोचों को पुलिस ने जमकर धुना.

भारत के जेन-जी के साथ ये दूसरा छल है. पहली बार छलिया अन्ना हजारे थे, इस बार ये भूमिका सोनम वांग्चुक ने शानदार ढंग से निभाई.सोनम युवाओं की आशाओं के प्रतीक बन गए थे. वे युवाओं को प्रभावित करने वाले देश के दूसरे नेता हैं. पहले नायक राहुल गांधी हैं. उनके पास राजनीति दल भी है, लेकिन सोनम के पास कुछ नहीं है.

मैं सोनम वांग्चुक का बहुत सम्मान करता हूँ. अभी भी इसमें कोई कमी नहीं आई है. बावजूद इसके मुझे लगता है कि सोनम वांग्चुक दूसरी बार गच्चा खा गए. पहली बार तब चार महीने जेल में रखने के बाद सरकार ने उन्हे अचानक रिहाकर लद्दाख के लाखों लोगों की उम्मीद के आंदोलन को समाप्त कर दिया. वे कुछ हासिल नहीं कर पाए.

सोनम को दूसरा गच्चा जंतर-मंतर पर मिला. वे किसी लाट साहब के कहने पर काकरोचों के मंच पर आए थे. उन्होने 20 दिन का आमरण अनशन किया और उस आदमी के आश्वासन पर तोड दिया जो उस मंडली का हिस्सा है जो जन विरोधी है, फासिस्ट है अशिष्ट है.

काकरोच लडाई हारे लेकिन मुझे खुशी है कि उनकी एकजुटता की वजह से कुछ देर के लिए ही सही लेकिन देश की सडकों को जाग्रत किया. संसद को डराया. मुझे लगता है कि कोकरोची आंदोलन के दमन के बावजूद ये आंदोलन का अंत नहीं बल्कि मध्यांतर ही माना जाएगा. ऐसे आंदोलन और खडे होंगे भले ही उनमें सोनम वांग्चुक जैसे लोग न हों. निश्चित रूप से यदि सोनम वांग्चुक धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक रुक जाते तो इस कामयाबी का सेहरा उनके सिर बंधता. लेकिन वे नाकाम रहे इसलिए अब नाकामी का सेहरा भी उन्ही के माथे पर बंधेगा. देश के प्रधानमंत्री ने संसद के मानसून सत्र से ठीक कुछ घंटे पहले जिस ठंग से अपने संदेश में युवाओं का मजाक बनाया उससे जाहिर है कि वे तो नहीं सुधरने वाले नही हैं. उन्हे जनता ही आम चुनाव में सुधार सकती है.




# इस छात्र आंदोलन के दीर्घकालीन होने का निहितार्थ

• मनोज कुमार झा



सीजेपी के संसद मार्च के दौरान बलप्रयोग हुआ, जो ऐसे आंदोलनों के मजबूत व टिकाऊ होने का सबूत माना जाता है। इसके अगुआ सोनम वांगचुक के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के बावजूद आंदोलन कमजोर नहीं हुआ। बेरोजगारी, शिक्षा, असमानता और लोकतंत्र से जुड़ी चिंताओं ने इसे व्यापक समर्थन दिलाया है।

कल दोपहर, जब ह्यकॉकरोच जनता पार्टीह्न आंदोलनकारियों ने संसद की ओर कूच किया, तो सत्ता के नशे में चूर सरकार ने - जो किसी भी किस्म का विरोध सहना तो एक तरफ, असहमति तक बर्दाश्त नहीं करती-अपने अहंकार में उन युवाओं पर हाथ उठवाया जिन्होंने सिर्फ.उपवास किया था, धरना दिया और अपनी बात रखी थी। आज दोपहर हुई धक्का-मुक्की, लाठीचार्ज, खून बहना और आंसू गैस के दृश्य भुलाना मुश्किल होगा। यह उस घटनाक्रम का नतीजा था जो शनिवार सुबह, 18 जुलाई को शुरू हुआ था, जब इस आंदोलन से जुड़े सबसे जाने-माने चेहरों में से एक, सोनम वांगचुक को पुलिस ने बेहद कमजोर व बेबुनियाद कारणों के आधार पर वहां से हटाया। शनिवार और रविवार को, उनकी गैर-मौजूदगी में भी जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन अनवरत जारी रहा।

तथापि, अगर इस हिंसा के पीछे मकसद आंदोलन को तोड़ना था, तो पिछले कुछ दिनों ने इसके उलट साबित कर दिखाया। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आंदोलन किसने शुरू किया, अब इसका नेतृत्व कौन कर रहा, या वहां मौजूद सभी हर मुद्दे पर सहमत हैं या नहीं। मायने यह रखता है कि युवाओं ने इतनी बड़ी संख्या में आकर सामूहिक रोष जताया। यह किसी एक चेहरे, नाम या पार्टी से कहीं बड़ी बात है। अपनेआप में लोकतंत्र की जबरदस्त लहर है। मैंने अपने सामने यह होते देखा, पहले शनिवार को और फिर आज। मैं 18 जुलाई को जंतर-मंतर पर उपवासरत छात्रों के साथ एकजुटता दिखाने गया था। पहले इसलिए नहीं जा सका कि दिल्ली से बाहर, अपने गृह राज्य में कुछ जरूरी और न टाली जा सकने वाली प्रतिबद्धताओं में व्यस्त था। जब उस सुबह सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने की खबर मिली, तो कुछ पल के लिए सोचा कि क्या ऐसे समय में विरोध स्थल पर जाना उचित होगा। मैंने सोचा कि अवश्य ही माहौल मायूसी भरा होगा। फिर खुद को याद दिलाया कि एकजुटता दिखाने का असली औचित्य तो तभी है, जब आंदोलन को डराने या हौसला तोड़ने की कोशिश की जा रही हो।

जंतर-मंतर पर मैंने जो देखा, वह मेरी कल्पना से बिल्कुल अलग था। मायूसी और थकावट के बजाय, दृढ़ संकल्प और हिम्मत व्याप्त देखी। माहौल आशा, नैतिक विश्वास और सामूहिक मकसद के असाधारण भाव से लबरेज था। ये सब युवा कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले इकट्ठा थे, ऐसा नाम जो विद्रोह दशार्ता है। जब तंत्र के सबसे ऊंचे ओहदों में से एक की ओर से देश के बेरोजगार युवाओं की तुलना के लिए कॉकरोच जैसे अपमानजनक शब्द का प्रयोग किया गया, तो युवाओं ने इस ताने को बतौर पहचान अपना लिया।

सामाजिक आंदोलनों के समाजशास्त्र का अध्ययन करने, पढ़ाने और उनमें शामिल होने के पीछे मनोस्थिति का अध्ययन दशकों तक करने के बाद, मैं इस विरोध का विश्लेषण अकादमिक और राजनीतिक, दोनों नजरियों से किए बिना नहीं रह सका; क्योंकि इसमें वे कई खूबियां थीं जिसकी तलाश 'नव सामाजिक आंदोलनों' के सिद्धांतकार लोकतांत्रिक संघर्षों में करते हैं। सिर्फ. लिखित सामग्री बांटने वाले या वर्ग-हितों के आधार पर होने वाले पारंपरिक आंदोलनों के उलट, यह जनांदोलन लोकतंत्र की जगह, संवैधानिक नैतिकता व नागरिकता की गरिमा बहाल करने के बारे में भी उतना ही था। एलेन टुरेन का तर्क कि ऐसे आंदोलन समाज की दिशा तय करने के लिए आखिरी उपाय होते हैं- यानी उन मूल्यों को परिभाषित करना,जिनके साथ लोग जीना चाहते हैं-यह मुहिम ठीक उसे परिभाषित करती लगी जो ये युवा हासिल करना चाह रहे ;अल्बर्टो मेलुची की अंतर्दृष्टि कि ऐसे अवसरों पर ताकत संगठनात्मक पदानुक्रम के बजाय सामूहिक पहचान व साझा अर्थों से चालित होती है,वह यहां साफ दिखी कि कैसे अजनबी लोग एक साझे मकसद हेतु साथी बन गए।

फिर भी, मेरे मन में जो बात सबसे ज्यादा बनी है, उसका संबंध ढांचे के बारे में अधिक न होकर उस बिंदु पर है जो इस पहली बड़ी लामबंदी ने अपने बारे में साबित किया- और यहां बीते कुछ दिनों में हुआ दमन जाने-अनजाने, इस आंदोलन का सबसे मजबूत सबूत बन गया। इतनी बड़ी संख्या में लोगों का इकट्ठा होना, हुजूम में भी इतना जुड़ाव, पर्याप्त सबूत है कि यह आंदोलन मात्र प्रभाव बनाने के लिए किया गया दिखावटी विरोध नहीं। इसके स्वरूप में असल शिकायतों और सच्ची प्रतिबद्धता से उपजी झलक है। न कि वह जिसकी उम्मीद सरकारें अक्सर करती हैं, कि क्या यह आंदोलन क्षणिक चिंगारी है जो जल्द बुझ जाएगी। सबसे बड़ी बात यह कि जिस सुबह इसके सबसे जाने-पहचाने चेहरे को हिरासत में लेकर ले जाया गया, तब भी समूह ने न तो कोई गलती की, न ही बिखरा, बल्कि अपनी जगह शांति और संयम के साथ बनाए रखी, जो वह परिपक्वता, दृढ़ संकल्प दशार्ती है, वे खूबियां जिन्हें अक्सर युवाओं से जोड़कर नहीं देखा जाता। इसने दर्शा दिया कि आंदोलन मुख्य नेता के बिना भी चल सकता है। आंदोलन जो शनिवार सुबह अपने सबसे प्रमुख चेहरे को खोने के बाद भी सप्ताहांत भर डटा रहा, और फिर सोमवार को संसद तक मार्च कर सका, क्योंकि इस सवाल का जवाब देने का संकल्प कर रखा था कि क्या टिके रहना किसी एक व्यक्ति पर निर्भर है।

एकत्र होने की भावना इसलिए इतनी व्यापक हो पाई कि इसने नागरिकों के बहुत बड़े वर्ग की नब्ज को छुआ; हर कोई अपनी-अपनी चिंताओं की वजह से आया, यहां उन्हें अपनी चिंताओं हेतु साझा भाषा मिली। जाहिर है कि तमाम व्यवस्थाओं को धीरे-धीरे खोखला किया जा रहा, और शिक्षा-जो किसी गणतंत्र द्वारा अपने युवाओं से किया गया सबसे बुनियादी वादा होता है- गिरावट की सबसे बड़ी मिसाल बन गई ।तंत्र चलाने वाली सरकार वही है जिसका अनशनरत छात्रों के प्रति रवैया-जैसा आज बेरहमी से साफ हो गया- लाठी व आंसू गैस के गोले बरसाना है।

इस भीड़ को व्यापकता देने वाला एक अंश यह भी कि जो शिकायतें अमूमन अलग-अलग रहती थीं, यहां आकर साझा दुख बन गई। सबसे फौरी हैं लोकतांत्रिक चिंताएं। नागरिकता सिद्ध करने का संकट कई तरह से महसूस किया जा रहा-कौन नागरिक है या किसका हक है, इसको लेकर अनिश्चितता हो या असहमति के लिए कम होती जगह या फिर यह भावना बनना कि आम नागरिक की आवाज की अहमियत घट रही है। इसके साथ अन्य सामाजिक चिंताएं भी हैं। विविधतापूर्ण समाज को बांधे रखने वाले ताने-बाने पर लगातार पड़ रहा दबाव, जानबूझकर दिया जा रहा ध्रुवीकरण को बढ़ावा और रोजमर्रा का शिष्टाचार खत्म होते किसने महसूस नहीं किया? इन सबके पीछे वे आर्थिक दबाव हैं जिनका सबसे ज्यादा असर युवाओं पर होता है। वे बढ़ती बेरोजगारी, असमानता और जीवन-यापन की बढ़ती लागत जैसी कई चुनौतियों से जूझ रहे। अलग-अलग वजहों से पैदा हुई शिकायतों का यहां एक साथ आना संकेत है कि यह कोई सीमित विरोध-प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक व्यापक लोकतांत्रिक चिंता है।

यही वजह है कि मुझे नहीं लगता कि यह आंदोलन जल्द खत्म होने वाला है। सरकारें अक्सर मान लेती हैं कि विरोध-प्रदर्शन बस कुछ समय के लिए होने वाली अस्थाई हलचल हैं, जिन्हें गिरफ़्तारियों, थकाकर कमजोर करके या प्रशासनिक पाबंदियों के जरिए संभाला जा सकता है। सामाजिक आंदोलनों के जानकार बार-बार ऐसी सोच के खतरे बारे चेताते आए हैं। जब कोई आंदोलन एक साझा लोकतांत्रिक पहचान बनाने में सफल हो जाता है, तो उसमें अलग-अलग जगहों और पीढ़ियों के बीच खुद को फिर से पैदा करने की क्षमता बन जाती है। तब यह किसी एक जगह या कुछ गिने-चुने नेताओं पर निर्भर नहीं रहता, क्योंकि यह संवाद, रिश्तों और सामूहिक यादों में रच जाता है। भौतिक स्थलों पर नियंत्रण किया जा सकता है या वहां बैरिकेड लगाए जा सकते हैं, लेकिन लोकतांत्रिक आकांक्षाओं को नहीं रोका जा सकता। हम यह नहीं भूलें कि दमन की हर कार्रवाई में ऐसे नागरिकों का दायरा बढ़ने की संभावना होती है जो सत्ता, न्याय और संवैधानिक नागरिकता के बारे में और मुश्किल सवाल पूछने लगेंगे। हम पहले से ही देश के विभिन्न भागों में इस किस्म के विरोध-प्रदर्शन होते देख रहे हैं।

दो दिनों की अपनी उपस्थिति के दौरान वहां मेरी मुलाकात जिन युवाओं से हुई, उन्होंने मुझमें यकीन जगाया कि यदि वे समावेशिता, नैतिक साहस और लोकतांत्रिक एकजुटता की इस भावना को बनाए रखते हैं, तो यह आंदोलन न सिर्फ. कायम रहेगा।

## सिने जगत

### 'द प्राइड ऑफ भारत' के लिए इंटरनेशनल एक्शन टीम तैयार



फिल्म निमार्ता संदीप सिंह अपनी आने वाली बड़ी ऐतिहासिक फिल्म ह्यद प्राइड ऑफ भारतः छत्रपति शिवाजी महाराजह्न को बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म में ऋषभ शेट्टी, छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाते नजर आएंगे। अब इस फिल्म को और खास बनाने के लिए निमार्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की एक्शन टीम को शामिल किया है, जो फिल्म के युद्ध और एक्शन सीन्स को शानदार बनाने पर काम करेगी।

इस पीरियड फिल्म को भव्य बनाने के लिए जो टीम जोड़ी गई है वह फिल्म के युद्ध और एक्शन सीन्स को तैयार करने में जुट गई है। लोकप्रिय सीरीज ह्यगेम ऑफ थ्रोन्सह्न के अलावा ह्यवाइकिंग्सह्न, ह्यद विचरह्न और ऑस्कर विनर फिल्म ह्यग्रैविटीह्न में अपने एक्शन डिजाइन के लिए पहचाने जाने वाले मार्क हेंसन इसके एक्शन की कमान संभालेंगे।

फिल्म की एक्शन टीम में हॉलीवुड के दो और अनुभवी नाम भी शामिल किए गए हैं। पहले व्लाद रिमबर्ग, जिन्होंने ह्यद फेट ऑफ द फ्यूरियसह्न, ह्यब्लडशॉटह्न और ह्यलूसिफरह्न जैसे प्रोजेक्ट पर काम किया है, दूसरे क्रेग मैक्रे, जो ह्यट्रॉयः फॉल ऑफ ए सिटीह्न के लिए चर्चित रहे हैं। मेकर्स का दावा है कि यह टीम भारतीय ऐतिहासिक सिनेमा के सबसे बड़े युद्ध सीन्स में से एक तैयार करेगी।

करीब 500 करोड़ रुपए के बजट में बन रही यह फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी। ऋषभ के अलावा इसमें अर्जुन रामपाल, विवेक ओबेरॉय और शेफाली शाह भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म में शेफाली उनकी मां राजमाता जीजाबाई के किरदार में नजर आएंगी, जबकि विवेक, मुगल सम्राट औरंगजेब की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं अर्जुन फिल्म के मुख्य विलेन के रूप में दिखाई देंगे। मेकर्स का दावा है कि सभी किरदारों को ऐतिहासिक संदर्भों के अनुरूप बड़े पैमाने पर परदे पर उतारा जाएगा।

फिल्म की अधिकांश शूटिंग महाराष्ट्र के विभिन्न ऐतिहासिक किलों और लोकेशनों पर की जाएगी, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज ने मराठा साम्राज्य की नींव रखी थी। मेकर्स का उद्देश्य युद्ध, किलों और ऐतिहासिक परिवेश को वास्तविकता के करीब दिखाना है। फिल्म को हिंदी, अंग्रेजी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मराठी समेत कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। इसका लक्ष्य भारतीय दर्शकों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाना है। ये फिल्म 21 जनवरी 2027 को थिएटर्स में रिलीज हो सकती है।

17वीं शताब्दी में मराठा साम्राज्य की स्थापना करने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज भारतीय इतिहास के सबसे प्रेरणादायक योद्धाओं में गिने जाते हैं। उनके जीवन पर अब तक फिल्म और टेलीविजन में 60 से अधिक प्रोजेक्ट्स बन चुके हैं। इसकी शुरूआत 1923 में आई मूक फिल्म सिंहगढ़ से हुई थी। मेकर्स का कहना है कि ह्यद प्राइड ऑफ भारतः छत्रपति.... इस ऐतिहासिक विरासत को नए पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचाएगी।

### लंदन में लड़खड़ाए अक्षय कुमार, गिरते-गिरते बचे

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार रविवार को लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान नजर आए। इस दौरान उनका नया सफेद दाढ़ी वाला लुक चर्चा में रहा। उन्होंने सफेद और बेज रंग की ड्रेस के साथ काले बालों वाला नया लुक अपनाया था। स्टेडियम में अक्षय कुमार के साथ सैफ अली खान, उनके बेटे तैमूर अली खान भी मौजूद थे। सोशल मीडिया पर मैच के दौरान की कई तस्वीरें और वीडियो सामने आए, जिनमें सभी मैच को एंजॉय करते दिखाई दिए।मैच के दौरान अक्षय और सैफ बातचीत करते भी नजर आए। वहीं, मैच के बाद सामने आए एक वीडियो में चलते समय अक्षय कुमार अचानक लड़खड़ा गए। हालांकि, वो गिरने से बच गए। इस पर सैफ अली खान और तैमूर हंसने लगे। अक्षय ने भी इस पल को मजाकिया अंदाज में लिया और सभी साथ में हंसते हुए आगे बढ़ गए।अक्षय कुमार और सैफ अली खान जल्द ही फिल्म 'हैवान' में साथ दिखाई देंगे। यह फिल्म 11 सितंबर 2026 को रिलीज होने वाली है। दोनों करीब 18 साल बाद एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। इससे पहले वे 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'ये दिल्लगी', 'आरजू' और 2008 में रिलीज हुई 'टशन' में साथ काम कर चुके हैं।

# कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च से सुलगते सवाल और राजनीतिक निहितार्थ

• कमलेश पांडे

कॉकरोच जनता पार्टी (उखढ) का ॠसंसद चलोॠ आह्वान केवल एक विरोध मार्च नहीं, बल्कि केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की एक राजनीतिक रणनीति है। खासकर जिस तरह से इस आंदोलन को छात्र आंदोलन का स्वरूप दिलवाया जा चुका है, वह डीप स्टेट के इशारे पर बनी विपक्ष की शातिर सरकार घेरो रणनीति का कमाल भी करार दिया जा रहा है। देखा जाए तो संसद के मानसून सत्र के दौरान गत 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद की ओर मार्च करने के दौरान बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जुटे और कूच किया, वह बिल्कुल संगठित राजनीतिक आंदोलन के तर्ज पर हुआ।

मजे की बात तो यह कि संसद के निकट पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जो पूर्व प्रायोजित झड़प हुई और उसके बाद हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, इससे यह संसद मार्च राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सुर्खियां बन गया। बड़े बड़े न्यूज चैनल्स और अखबारों के दफ्तरों में इससे जुड़े कई नीतिगत सवालों पर भी बहस होने लगी। सोशल मीडिया पर जहां सरकार विरोधी भड़काऊ वीडियो वायरल होने लगे, वहीं सत्ताधारी नेताओं और कार्यकताओं ने भी आंदोलनकारियों की कारगुजारियों के वीडियो साझा कर दिए, जिससे लोगों की सहानुभूति पुलिस और सरकार के साथ बनी रही।

यदि संसद मार्च के घटनाक्रमों पर संतुलित नजर डालें तो यही प्रतीत होता है कि जब बड़ी संख्या में सीजेपी (उखढ) समर्थक ॠसंसद चलोॠ मार्च के लिए जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़े, तो भले ही उनकी मुख्य मांगें शिक्षा सुधार, परीक्षा-पत्र लीक और जवाबदेही था, लेकिन इरादे तोड़फोड़ वाले और खतरनाक थे, अन्यथा पुलिस को बल प्रयोग नहीं करना पड़ता। चूंकि संसद के मानसून सत्र के दौरान माननीयों की सुरक्षा के दृष्टिगत दिल्ली पुलिस ने व्यापक बैरिकेडिंग की थी, इसलिए ज्यादा दिक्कत नहीं हुई। पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को रोका, हिरासत में लिया तथा कुछ स्थानों पर आंदोलनकारियों द्वारा उपद्रव करने के बाद आंसू गैस और बल प्रयोग की घटनाएं सामने आईं। इससे अफरातफरी मच गई।

देखा जाए तो इस आंदोलन की प्रमुख मांगों में नीट (ठएएळ) पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं पर कार्रवाई, बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार की जवाबदेही, कुछ नेताओं द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, आंदोलन से जुड़े लोगों के साथ संवाद आदि हैं, लेकिन जो उत्पात दिखाई-सुनाई दिया, वह विपक्षी संस्कार नहीं तो क्या है? फिर भी, केंद्र सरकार ने आंदोलन के प्रतिनिधियों से बातचीत की पहल भी की, जो टकराव के बीच संवाद की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने सरकारी प्रतिनिधि के तौर पर उखढ प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की और मांगपत्र ग्रहण किया। बावजूद इसके आंदोलनकारी अपनी मांगों पर कायम हैं। सवाल है कि संसद मार्च के क्रम में जो कुछ गड़बड़ हुआ, क्या वह लोकतांत्रिक है, सही था या गलत? तो जवाब होगा कि युवाओं का शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा की निष्पक्षता जैसे मुद्दों पर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठाना लोकतंत्र का वैध हिस्सा है। वहीं, सरकार द्वारा आंदोलनकारियों से बातचीत शुरू करना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुरूप कदम है। फिर भी संसद मार्च के दौरान आंदोलनकारियों की ओर से कुछ कुछ गलत हुआ जो अनुचित लगा। यदि प्रदर्शनकारियों ने निषिद्ध क्षेत्र में जबरन प्रवेश करने या बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, तो वह कानून-व्यवस्था की दृष्टि से उचित नहीं माना जाएगा।

वहीं, यदि पुलिस ने आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग किया या शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर अनावश्यक कार्रवाई हुई, तो उसकी भी निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय होनी चाहिए। हालांकि, इस पर अलग-अलग पक्षों के अपने अपने दावे हैं और सभी तथ्यों के गोलमोल जवाब ही मिले हैं, जिनपर एतबार करना मुश्किल है क्योंकि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो, जिसका अंतिम सत्यापन अभी होना बाकी है, कई अनकही कहानियां गढ़ रहे हैं। इससे सरकार सांसत में है और विपक्ष तरह-तरह के आरोप लगाकर सिस्टम की मुश्किलें बढ़ा रहा है। हालांकि इस बात में कोई दो राय नहीं कि लोकतांत्रिक समाधान का सर्वोत्तम रास्ता संवाद और कानून के दायरे में रहकर समस्या का समाधान है।

भले ही किसी भी लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन और अपनी मांगें रखना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन इस संसद मार्च के क्रम में देश की राजधानी नई दिल्ली के हृदय स्थल पर, जिस प्रकार की हिंसा, तोड़फोड़, सार्वजनिक व निजी संपत्ति को नुकसान पहुँचाना या सुरक्षा बलों से टकराव की जो प्रवृति दिखाई दी, वह विपक्षी दलों का परोक्ष कुचक्र नहीं तो क्या है? आखिर इस देशद्रोही प्रवृति को कदापि उचित नहीं ठहराया जा सकता है।

इसी प्रकार, यदि पुलिस बल का प्रयोग आवश्यकता से अधिक हुआ हो, तो उसकी भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। सवाल है कि क्या स्थानीय जिलाधिकारी और डीसीपी के पास छात्र समूह को काबू में रखने की कोई स्पष्ट रणनीति नहीं थी? और यदि थी तो फिर इतना सबकुछ कैसे हुआ? वहीं कोई पुलिस कर्मी कैसे पिट गया और घायल हुआ? आखिर किसी दुकानदार को तोड़-फोड़ का सामना क्यों और कैसे करना पड़ा? जनपथ बाजार की सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त क्यों नहीं किए गए थे। वहीं, अनियंत्रित युवा भीड़ क्यों जुटने दी गई और उनको काबू में रखने के लिए व्यापक बंदोबस्त क्यों नहीं किये गए थे?

कॉकरोच जनता पार्टी के ॠसंसद चलोॠ आह्वान के राजनीतिक मायने केवल एक विरोध मार्च तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय राजनीति में युवाओं के असंतोष, डिजिटल आंदोलन और पारंपरिक दलों के प्रति अविश्वास का प्रतीक बनकर उभरा है। हालांकि उखढ स्वयं को व्यंग्यात्मक आंदोलन बताता है, लेकिन इसके मुद्दे गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाते हैं।

यही वजह है कि राजनीतिक दृष्टि से इसके कई मायने निकाले जा रहे हैंः- पहला, संसद के मानसून सत्र के पहले दिन दबाव की राजनीति। दूसरा, युवाओं और प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थियों के असंतोष को राष्ट्रीय मुद्दा बनाने का प्रयास। तीसरा, विपक्ष के लिए सरकार को घेरने का अवसर और चौथा, सरकार के लिए कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए आंदोलनकारियों से संवाद की चुनौती आदि। एक, युवा असंतोष का राजनीतिक रूपांतरणः बेरोजगारी, परीक्षा-पत्र लीक, शिक्षा व्यवस्था और राजनीतिक जवाबदेही जैसे मुद्दों को लेकर नाराजगी को संगठित करने का प्रयास दिखाई देता है। दो, डिजिटल से सड़क तकः सोशल मीडिया पर शुरू हुआ अभियान अब वास्तविक जन-प्रदर्शन में बदलता दिख रहा है, जो यह संकेत देता है कि ऑनलाइन असंतोष भी राजनीतिक दबाव का माध्यम बन सकता है।

तीन, सरकार पर दबावः संसद के मानसून सत्र के पहले दिन मार्च का समय चुनना सरकार और संसद का ध्यान आकर्षित करने की रणनीति माना जा सकता है। सरकार और उखढ प्रतिनिधियों के बीच बातचीत शुरू होने की खबर भी इसी दबाव का संकेत है।

चार, विपक्ष के लिए अवसरः यदि विपक्ष इस असंतोष को राजनीतिक समर्थन देता है, तो यह सरकार को घेरने का एक नया मुद्दा बन सकता है। वहीं यदि आंदोलन स्वतंत्र बना रहता है, तो यह पारंपरिक दलों से अलग एक नई राजनीतिक शैली का संकेत होगा।

पांच, प्रतीकों की राजनीतिः ॠकॉकरोचॠ जैसे अपमानजनक शब्द को पहचान और प्रतिरोध के प्रतीक में बदलना राजनीतिक संचार की एक प्रभावी रणनीति है, जो विशेषकर युवाओं के बीच ध्यान आकर्षित करती है। छठा, उखढ की कई मांगें और उसकी प्रस्तुति व्यंग्य एवं प्रतीकात्मक राजनीति का हिस्सा हैं। इसलिए यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि यह एक स्थायी राष्ट्रीय राजनीतिक शक्ति बन जाएगी। दरअसल उसकी वास्तविक राजनीतिक क्षमता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या वह सोशल मीडिया की लोकप्रियता को लंबे समय तक संगठित जनसमर्थन और ठोस राजनीतिक संगठन में बदल पाती है। निष्कर्षतः यही कहना उपयुक्त होगा कि लोकतंत्र में न तो हिंसक टकराव समाधान है और न ही वैध असंतोष को केवल बल पूर्वक दबाना। लिहाजा सबसे उचित रास्ता यही है कि आंदोलन शांतिपूर्ण रहे, कानून का सम्मान हो, और सरकार ठोस संवाद के माध्यम से शिक्षा सुधार तथा परीक्षा प्रणाली से जुड़े मुद्दों का विश्वसनीय समाधान प्रस्तुत करे। अन्यथा छात्र आंदोलन यदि राष्ट्रीय स्वरूप अख्तियार कर लेगा तो सनातनी सत्ता को लेने के देने पड़ जाएंगे।

# जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

## ब्लैक स्पॉट सुधार, कांवड़ यात्रा की यातायात व्यवस्था, हिट एंड रन मामलों के त्वरित निस्तारण एवं विद्यालयी परिवहन सुरक्षा के लिए निर्देश

भदोही,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में जनपद में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा विद्यालय परिवहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के संबंध में विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग के अनुपस्थित पर कड़ी नाराजगी जताते हुए,कारण बताओं नोटिस जारी करने का निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारी को दिया। जिलाधिकारी ने जनपद के चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर आवश्यक सुधारात्मक कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार सभी कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने सड़क दुर्घटना में घायलों की सहायता करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित राहवीर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया।

जिलाधिकारी ने हिट एंड रन मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करते हुए पात्र पीड़ितों एवं उनके आश्रितों को निर्धारित सहायता राशि का समयबद्ध भुगतान कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी थाना एवं यातायात पुलिस इकाइयों में हिट एंड रन योजना से संबंधित जनजागरूकता सामग्री एवं सूचना बोर्ड प्रदर्शित कराने के निर्देश भी दिए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को योजना की जानकारी प्राप्त हो सके।



बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत सभी आवश्यक सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंध समय से पूर्ण किए जाएं। कांवड़ मार्गों पर यातायात प्रबंधन, चेतावनी संकेतक, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं, जिससे श्रद्धालुओं का आवागमन सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संचालित हो सके। उन्होंने परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि बार-बार ओवरस्पीडिंग (रेस ड्राइविंग) अथवा अत्यधिक चालान वाले वाहन चालकों को चिन्हित कर उनके ड्राइविंग लाइसेंस के निरस्तीकरण की नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी पेट्रोल पंप संचालकों को ऽनो हेलमेट, नो फ्यूलऽ अभियान का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में विद्यालयी परिवहन सुरक्षा की समीक्षा करते हुए, जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयी वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र, चालक एवं परिचालकों के चरित्र एवं पुलिस सत्यापन सहित सभी आवश्यक अभिलेखों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को परिवहन सुरक्षा संबंधी सभी निर्धारित मानकों का पूर्ण अनुपालन कराना तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन के बीच यातायात नियमों के प्रति निरंतर जागरूकता अभियान संचालित किए जाएं।

## पुलिस अधीक्षक ने की जनसुनवाई, शिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश



भदोही, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। जनमानस की समस्याओं के समयबद्ध और प्रभावी समाधान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार व पुलिस महानिदेशक के निर्देशों के क्रम में, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रतिदिन की भांति जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव त्यागी ने कार्यालय में आए आम नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं को अत्यंत गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत किए। मामलों का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक भदोही ने पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को फोन पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आमजन की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्देश के क्रम में मामलों का निस्तारण केवल कागजों पर न होकर धरातल पर होना चाहिए, जिससे पीड़ित पक्ष पूरी तरह संतुष्ट हो।

## आगामी श्रावण माह व कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जनपद के समस्त थानों पर पीस कमेटी की हुई बैठक सम्पन्न

पीडीडीयू नगर(चंदौली) ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। उच्चाधिकारीगण के निदेशों के अनुपालन में दिन मंगलवार को आगामी पवित्र श्रावण माह,कांवड़ यात्रा एवं प्रमुख त्योहारों को सकुशल,निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु जनपद चन्दौली के समस्त थानों पर एक साथह्यपीस कमेटीह्ल (शांति समिति)की विशेष बैठकों का आयोजन किया गया।समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों के स्थानीय धर्मगुरुओं, प्रबुद्ध नागरिकों, कांवड़ संघ के प्रतिनिधियों,ग्राम प्रधानों,डिजिटल वॉलिंटियर्स,डीजे संचालकों एवं शांति समिति के सदस्यों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था व तैयारियों की समीक्षा की गई।बैठक में उपस्थित सभी नागरिकों से त्योहारों को पारंपरिक,शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गई। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया गया।जनपद के समस्त प्रमुख शिव मंदिरों,जलाभिषेक स्थलों एवं कांवड़ यात्रा मार्गों पर पुलिस पिकेट,मोबाइल पेट्रोलिंग और सादे वस्त्रों में पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है।संवेदनशील स्थानों एवं प्रमुख मार्गों पर सीसीटीवी कैमरों व ड्रोन से पैनी नजर रखी जाएगी।ध्वनि विस्तारक



यंत्रों(डीजे/लाउडस्पीकर) हेतु सख्त गाइडलाइनः उच्चतम न्यायालय एवं शासन के निदेशों का कड़ाई से अनुपालन कराने हेतु डीजे व लाउडस्पीकर संचालकों को निर्धारित मानक (डेसिबल सीमा)के भीतर ही संचालन करने की अंतिम चेतावनी दी गई। उल्लंघन करने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।नागरिक सुविधाओं का अंतर-विभागीय समन्वयःकांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं की सुगमता हेतु संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर कांवड़ मार्गों की साफ-सफाई,पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल,जर्जर बिजली तारों को दुरुस्त करने एवं स्वास्थ्य शिविरों के सुचारू संचालन की रूपरेखा तय की गई।

सोशल मीडिया पर 24/7 साइबर निगरानीः सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स (एक्स ,फेसबुक, व्हाट्सएप आदि)पर भ्रामक,अनर्गल या सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली पोस्ट डालने वालों के विरुद्ध सोशल मीडिया सेल द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही है।उपद्रव फैलाने की कोशिश करने वालों पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।चन्दौली पुलिस आपकी सुरक्षा,सेवा और सहायता के लिए सदैव तत्पर है।श्रावण माह के पावन अवसर पर शांति और व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।किसी भी आपात स्थिति या संदिग्ध सूचना के लिए तत्काल अपने नजदीकी थाने पर अथवा यूपी-112 पर संपर्क करें।

## खुरपका मुहपका रोग से पशुओं की हिफाजत के लिए विशेष टीकाकरण



पीडीडीयू नगर(चंदौली) ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ० योगेश ने पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि जिले में खुरपका मुहपका रोग से पशुओं की हिफाजत के लिए 22 जुलाई 2026 से राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत विशेष टीकाकरण अभियान शुरू होगा,5 सितंबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान में करीब तीन लाख पशुओं को निशुल्क टीक लगाये जाएगे। अभियान को सफल बनाने के लिए पशुपालन विभाग ने तैयारिया तेज कर दी है।जिले के सभी 09 विकास खण्डों में संचालित 17 पशुचिकित्सालयों के माध्यम से अभियान चलाया जाएगा।पशुचिकित्साधिकारीयों के नेतृत्व में गठित टीमें गाव-गांव और घर-घर पहुंच कर पशुओं का टीकाकरण करेंगी।विभाग का मकसद अधिक से अधिक पशुओं का खुरपका-मुंहपका जैसे संक्रमक बीमारी से सुरक्षित करना है। अभियान के दौरान पशुपालको से भी सहयोग की अपिल की जाएगी ताकि कोई भी पशु टीकाकरण से वचित न रहे इसके लिए संबंधित क्षेत्रों में पशुपालकों को पहले से जानकारी भी उपलब्ध भी कराई जाएगी।विभागी टीमें निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक क्षेत्र में पहुंचकर टीकाकरण का काम पूरा करेगी। पशुपालन विभाग के अधिकारीओं के अनुसार अभियान की निगरानी भी लगातार की जाएगी ताकि तय समय के भीतर लक्ष्य पूरा हो सके पांच सितंबर तक चलने वाले इस विशेष अभियान में सभी 17 पशु चिकित्सालयों की सक्रिय भागीदारी रहेंगी।

### मारपीट व गाली-गलौज के मामले में अभियुक्त को सजा, लगा 3000-रुपये का अर्थदण्ड

मीरजापुर ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत पीयूष मोर्डिया-अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन, वाराणसी व पूनम-पुलिस उपमहानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर के निर्देशन में अपर्णा रजत कौशिक-पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा जनपद में महिला सम्बन्धित अपराध सहित लूट, हत्या, डकैती, धर्म परिवर्तन, गोवध अधिनियम व अन्य जघन्य अपराधों में प्राथमिकता के आधार पर लगातार गुणवत्तापूर्ण विवेचना तथा अभियोजन की सशक्त एवं प्रभावी पैरवी करायी जा रही है । उक्त अभियान के क्रम में थाना को0कटरा पर पंजीकृत एन.सी.आर.-81/2021 धारा 323,504,506 भादवि में पुलिस द्वारा प्रभावी पैरवी करते हुए गवाहों को मा0न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर गवाही कराई गई । अभियोजन अधिकारी-एपीओ जितेन्द्र यादव, विवेचक-कलपनाथ राम, कोर्ट मुहर्रिर-मुख्य आरक्षी रिजवान खा व मुख्य आरक्षी सुबेदार यादव तथा पैरोकार-आरक्षी श्रवण कुमार द्वारा प्रभावी पैरवी की गई ।जिसके परिणाम स्वरूप मा0 मुख्य न्यायायिक मजिस्ट्रेट (राहुल कुमार सिंह) द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बंधित अभियुक्त काजू प्रजापति पुत्र मट्टरू निवासी पुरानी दशमी थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर को 3000 रुपए के अर्थ दण्ड से दण्डित किया गया । अर्थ दण्ड नही अदा करने की दशा में 06 दिवस साधारण कारावास भुगतना होगा ।

## जिलाधिकारी ने बी-पीएसीएस एवं किसान सेवा केंद्र का किया औचक निरीक्षण

पीडीडीयू नगर(चंदौली) ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। किसानों को उर्वरक (यूरिया व डीएपी)की निर्बाध आपूर्ति और सुचारू वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग ने मंगलवार को बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति बी-पीएसीएस चन्दौली लि0 एवं मंडी परिसर स्थित किसान सेवा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खाद की उपलब्धता,स्टॉक पंजिकाओं तथा वितरण व्यवस्था का गहनता से सत्यापन किया।वहां मौजूद किसानों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और उपलब्ध सुविधाओं का फीडबैक लिया।



निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने भौतिक स्टॉक का समिति के अभिलेखों एवं पीओएस (पीओएस)मशीन में दर्ज आंकड़ों से मिलान कराया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जिले में उर्वरक की कोई कमी न होने पाए और किसानों को निर्धारित दर पर ही समयबद्ध तरीके से खाद उपलब्ध कराई जाए।मंडी परिसर स्थित किसान सेवा केंद्र पर बिक्री रजिस्टर अपडेट नहीं पाये जाने पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल अपडेट करने के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा किसानों को उर्वरक का वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ ई-पॉश मशीन के माध्यम से ही किया जाए।जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि ओवररेटिंग, कालाबाजारी या खाद की जमाखोरी का कोई मामला प्रकाश में आता है, तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध कठोर प्रशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी।समिति परिसर में आने वाले किसानों की सुविधा के लिए पेयजल और छायादार बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने गोदामों में खाद का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने और दैनिक आधार पर वितरण की रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेजने का आदेश दिया गया। किसानों को समय पर और सही मूल्य पर खाद उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस दौरान जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार यादव,एआर कोआपरेटिव विपिन कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं मौके पर किसान मौजूद रहे।

## जिला निर्वाचन अधिकारी व सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया ईवीएम, वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण



भदोही, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी शैलेष कुमार व सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी अरविन्द कुमार पांडे को जनपद स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण कर सुरक्षा एवं रख-रखाव संबंधी व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ कार्यालय में तैनात सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी अरविंद कुमार पांडेय प्रदेश नोडल अधिकारी के रूप में उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में स्थापित अग्निशमन यंत्रों की वैधता अवधि की जांच की तथा सभी उपकरणों को निर्धारित मानकों के अनुरूप क्रियाशील बनाए रखने के निर्देश दिए।इसके साथ ही वेयरहाउस में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता का परीक्षण कर निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि ईवीएम/वीवीपैट की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की समस्त सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं अभिलेखों का अवलोकन किया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी शुभांगी शुक्ला, जिला ईवीएम नोडल अधिकारी एवं चकबंदी अधिकारी राकेश सिंह, ए.आर. कोऑपरेटिव रामप्रकाश तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## किसानों की 15 सूत्री मांगों पर पीएम मोदी को ज्ञापन, भारतीय किसान यूनियन ने एमएसपी कानूनी गारंटी




मीरजापुर,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। भारतीय किसान यूनियन ने देश के किसानों, कृषि मजदूरों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन सौंपा है। जिलाधिकारी मिजार्पुर के माध्यम से भेजे गए इस ज्ञापन में यूनियन ने केंद्र सरकार से 15 प्रमुख मांगों को तुरंत पूरा करने की अपील की है।

ज्ञापन में भारतीय किसान यूनियन ने कहा है कि विगत चार दशकों से किसानों के अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण संघर्ष कर रही संगठन वर्तमान में कृषि क्षेत्र की गंभीर चुनौतियों से चिंतित है।खेती की बढ़ती लागत, उपज का लाभकारी मूल्य न मिलना, लंबित गन्ना भुगतान, उर्वरकों की कमी और प्राकृतिक आपदाओं से हो रहे भारी नुकसान को प्रमुख समस्या बताया गया है।

यूनियन ने प्रधानमंत्री से निम्नलिखित प्रमुख मांगों पर त्वरित कार्रवाई की अपील की हैः सभी फसलों के लिए स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश (उ2+50%) के अनुसार एमएसपी की कानूनी गारंटी और सरकारी खरीद कानून बनाए जाने।

गन्ने का राज्य परामर्श मूल्य पूरे देश में न्यूनतम ?500 प्रति क्विंटल करने और सभी लंबित भुगतान ब्याज सहित तुरंत चुकाने।

किसानों एवं कृषि मजदूरों के लिए संपूर्ण ऋण माफी तथा ब्याजमुक्त कृषि ऋण। कृषि कार्य के लिए निःशुल्क बिजली और ग्रामीण-घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट मुफ्त बिजली, साथ ही स्मार्ट मीटर व बिजली निजीकरण की प्रक्रिया वापस लेने। चारों श्रम संहिताओं, बीज विधेयक और नई कृषि-विपणन व सहकारिता नीतियों को वापस लेने।

मनरेगा में 200 दिन का रोजगार और न्यूनतम 700 प्रतिदिन मजदूरी। प्राकृतिक आपदाओं (बाढ़, सूखा, ओलावृष्टि आदि) को राष्ट्रीय आपदा घोषित कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते समेत किसी भी मुक्त व्यापार समझौते को रोकना जिससे भारतीय कृषि, डेयरी और एमएसपी प्रभावित हो। डेयरी क्षेत्र में विदेशी आयात पर रोक और किसानों के पारंपरिक बीज अधिकारों की रक्षा।

ज्ञापन में कहा गया है कि 9 दिसंबर 2021 के संयुक्त किसान मोर्चा के साथ किए गए लिखित आश्वासनों का अभी तक पूर्ण क्रियान्वयन नहीं हुआ है, जिससे किसानों में निराशा बढ़ रही है।यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं किया गया तो इसका प्रभाव केवल कृषि क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे ग्रामीण समाज और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

## अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध चलाया गया जबरदस्त अभियान



पीडीडीयू नगर(चंदौली) ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक चंदौली आकाश पटेल के निर्देशानुसार दिन मंगलवार को नगर में चलाया गया जबरदस्त अवैध अतिक्रमण हटाओ अभियान इस दौरान फुटपाथो पर अवैध ढंग से हुए अतिक्रमण को नगर पालिका की टीम द्वारा वाहन पर लादकर अपने कब्जे में लिया गया जिससे कि नगर के सड़कों पर अवैध ढंग से अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों में सुधार हो सके बताते चले कि नगर में लगातार प्रशासन व नगर पालिका की टीम द्वारा नगर की सड़कों पर हुए अवैध अतिक्रमण को हटवाया जा रहा है जिसके बावजूद भी अतिक्रमण करने वाले दुकानदार अतिक्रमण करने से बाज नहीं आ रहे हैं और पुनःपटरी पर अतिक्रमण कर रहे हैं जिसके तहत उक्त अभियान लगातार चलाया जा रहा है अब देखना यह है कि क्या अवैध अतिक्रमण हटाओ अभियान से दुकानदार जागरूक होकर अपने अवैध अतिक्रमण को हटवाते हैं या स्थिति जस की तस बनी रहेगी।

## राज्य महिला आयोग की सदस्य आज करेंगी पीड़ित महिलाओं की जनसुनवाई



पीडीडीयू नगर(चंदौली) ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रभात कुमार ने बताया कि सदस्य राज्य महिला आयोग उ०प्र० लखनऊ की अध्यक्षता में महिला जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन आज दिन बुधवार को दोपहर 12 बजे से पी०डब्लू०डी० गेस्ट हाउस चन्दौली में किया जाना प्रस्तावित है।जिसमें किसी भी प्रकार की पीड़ित महिलाएँ एवं बालिकाएँ पाक्सो एक्ट,लैंगिक असमानता,जमीन सम्बन्धित विवाद, घरेलू हिंसा, महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न तथा दहेज हिंसा इत्यादि से सम्बन्धित पीड़िता/महिला एवं बालिका द्वारा अपने शिकायत को स्वयं एक सादे कागज पर प्रार्थना पत्र के माध्यम से सुनीता श्रीवास्तव सदस्य राज्य महिला आयोग, उ०प्र० लखनऊ के समक्ष प्रस्तुत कर सकती है।

### करंट की चपेट में आई महिला, मौत

गोपीगंज, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। कोइरौना थाना क्षेत्र अंतर्गत डीघ गांव के सोनपुर बस्ती में मंगलवार की सुबह करंट लगने से 55 वर्षीय महिला गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन उन्हें तत्काल प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय ले गए, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, शीला देवी (55), पत्नी धर्मराज यादव, मंगलवार सुबह करीब 5:45 बजे घर के सामने स्थित मड़हे में स्टील के डिब्बे में रखा दूध लेने गई थीं। बताया जा रहा है कि दूध का डिब्बा ऊपर लटका हुआ था और उसके पास से बिजली का तार भी गुजर रहा था। जैसे ही उन्होंने दूध का डिब्बा उतारने का प्रयास किया, उसमें करंट उतर आया और वह उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गईं। मृतका के बड़े बेटे संतोष यादव ने बताया कि उनकी मां सुबह दूध लेने के लिए मड़हे की ओर गई थीं। इसके बाद वह धान की रोपाई के काम से खेत चले गए। कुछ देर बाद जब वह वापस घर लौटे तो मां घर पर नहीं थीं। तलाश करते हुए जब वह मड़हे के पास पहुंचे तो देखा कि शीला देवी अचेत अवस्था में पड़ी थीं। शोर मचाने पर परिवार के अन्य सदस्य और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

### बिछड़े दंपतियों को मिलाकर कराया एक




पीडीडीयू नगर(चंदौली) ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक चन्दौली के निदेर्शानुसार थाना कन्दवा व थाना बलुआ/मिशन शक्ति केन्द्र द्वाराह्लमिशन शक्ति अभियान फेज-5.0ह्वके द्वितीय चरण के तहत बिछड़े दम्पतियों को मिलाकर एक परिवार के बीच पुनःखुशियां लौटाने का लगातार सार्थक प्रयास किया किया जा रहा है।दिन मंगलवार को ऐसे ही 02 परिवार से पति व परिजनों के विरुद्ध पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में दिये गये प्रार्थना पत्र पर दोनों पक्षों को जरिये नोटिस/मोबाइल द्वारा सूचित कर थाना कन्दवा व थाना बलुआ/मिशन शक्ति केन्द्र पर बुलाकर पारिवारिक मूल्यों एंव महत्व को बताते हुए अथक प्रयास से समझाया बुझाया गया।दोनों पक्षों आपसी सहमति एवं बिना किसी जोर दबाव के अपनी बीती हुई बातों/गलतियों को स्वीकार कर नये सिरे से पुनःपति/पत्नी की तरह एक दूसरे का सम्मान करते हुये रहने को तैयार हुये।मिशन शक्ति केन्द्र थाना कन्दवा व थाना बलुआ से दम्पति के बीच पारिवारिक विवाद को समाप्त कराते हुये टूटते हुये रिश्ते को बचाते हुये पति/पत्नी को परिजनों के साथ राजी खुशी भेजा गया।

### साइबर क्राइम टीम द्वारा फ्राड ट्रान्जेक्शन की धनराशि को पीड़ित के खाते में कराया वापस

मीरजापुर ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।प्राप्त जानकारी के अनुसार असीम सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी खैरा थाना जिगना जनपद मीरजापुर द्वारा दिनांक 14.03.2026 को थाना जिगना जनपद मीरजापुर के ठउफद्ध पोर्टल पर शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया कि मोबाइल हैक करके यूपीआई के माध्यम से 98000 /- का फ्राड हो गया । उक्त के सम्बन्ध में थाना जिगना की साइबर सेल टीम द्वारा जाँच प्रारम्भ की गयी ।अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक आपरेशन तथा क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थाना जिगना की पुलिस टीम द्वारा उपरोक्त जाँच के दौरान साइबर सेल थाना जिगना की साइबर सेल द्वारा आवेदक के खाते में धनराशि 5000 /- रुपये वापस कराया गया ।खाते में पैसे वापस आने पर आवेदक द्वारा थाने पर उपस्थित होकर मीरजापुर पुलिस के पुलिस उच्चाधिकारी एवं साइबर सेल थाना जिगना पुलिस टीम की प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया गया।

### राजा भैया जी के निर्देश पर पीड़ित परिवार से मिले जनसत्ता दल के पदाधिकारी, हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा

मीरजापुर,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया जी के निदेर्शानुसार विधानसभा चुनार के थाना अहरौरा अंतर्गत ग्राम कुंदरन में हुई भीषण ट्रक दुर्घटना में मृतक परिवार से अध्यक्ष प्रतिनिधि अनुज ऊमर एवं प्रतिनिधिमंडल के प्रभारी विक्रम सिंह के नेतृत्व में पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने उनके आवास पहुंचकर गहरी शोक संवेदनाएँ व्यक्त कीं। इस अवसर पर जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के विधान परिषद सदस्य एवं पूर्व सांसद कुंवर अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल जी* से पीड़ित परिवार की दूरभाष पर वार्ता कराई गई। गोपाल जी ने शोकाकुल परिजनों को सांत्वना देते हुए कहा कि इस दुःख की घड़ी में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी पूरी संवेदनशीलता के साथ उनके साथ खड़ी है तथा हरसंभव सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेगी। अध्यक्ष प्रतिनिधि अनुज ऊमर एवं प्रतिनिधिमंडल के प्रभारी विक्रम सिंह ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी दुःख की इस घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और हरसंभव सहयोग के लिए सदैव तैयार रहेगी। पार्टी पदाधिकारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

# सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से डीएम ने की विकास कार्यों की समीक्षा, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सोनभद्र, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में नवीन व्यवस्था अन्तर्गत सी0एम0 डैशबोर्ड के माध्यम से विकास कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि जिन विभागों को शासन द्वारा जो भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है, वह उसका शत-प्रतिशत निर्धारित समय अवधि में पूर्ण करना सुनिश्चित करें, पी0एम0 सूर्य घर योजना की समीक्षा की समीक्षा के दौरान उन्होने कहा कि पी0एम0 सूर्य घर योजना के अन्तर्गत बैंक के माध्यम से सब्सिडी आदि की सुविधा बैंक के माध्यम से सुनिश्चित करायी जाये उन्होने एल0डी0एम0 को निर्देशित करते हुए कहा कि पी0एम0 सूर्य घर योजना को अन्तर्गत जो भी लक्ष्य निर्धारित किये गये है उसका सत प्रतिशत निस्तारण बैंको के माध्यम से सुनिश्चित किया जाये।

श्री गौड़ ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी लोन योजना के भी प्रगति की समीक्षा की और उपायुक्त उद्योग एवं एल0डी0एम0 को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों के पत्रावलियों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाये, समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए करते हुए कहा कि विकास कार्यों, लाभार्थीपरक व जन कल्याणकारी योजनाओं जैसे कार्यों के प्रगति में तेजी लायी जाये, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए विभागीय कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारियों को पत्राचार करना सुनिश्चित किया जायेगा। बैठक के दौरान उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अधूरे निर्माण कार्यो को तीव्र गति से पूर्ण कराने की कार्यवाही सुनिश्चित किया जाये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संतपाल वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह, डी0सी0 मनरेगा रवीन्द्र वीर सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 एस0के0 राय, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

## वृक्षारोपण अभियान के तहत एनसीएल ने एक दिन में 3 लाख से अधिक किया पौधारोपण

सिंगरौली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में कोल इंडिया के वृहद् वृक्षारोपण अभियान के तहत सिंगरौली स्थित मिनीरत्न कोयला कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने एक ही दिन में 3 लाख से अधिक पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता एवं हरित भविष्य के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दशार्या। यह अभियान एनसीएल की सभी 10 उत्पादन इकाइयों के लीज क्षेत्र के साथ-साथ लीज क्षेत्र के बाहर स्थित वन प्रभागों में भी संचालित किया गया।

120 हेक्टेयर क्षेत्र में चलाए गए इस विशाल वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत अर्जुन, पीपल, महुआ, शीशम, हल्दू, करोंदा, आँवला, नीम, इमली, जामुन, आम, अमरूद, अमलतास, लेमन ग्रास, पलाश, गुलमोहर, टेकोमा, बेर, शहतूत, चिरायता, सेमल, सतावर, बकैन आदि सहित स्थानीय जलवायु एवं पारिस्थितिकी के अनुकूल विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस अभियान में परिधिय समुदाय से जुड़े लोगों सहित 950 से अधिक लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। यह पहल 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत प्रकृति संरक्षण एवं जलवायु संवर्धन के प्रति एनसीएल की सशक्त भागीदारी को रेखांकित करती है। साथ ही, यह भावी पीढ़ियों के लिए हरित विरासत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान भी है। गौरतलब है कि एनसीएल सतत खनन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का निरंतर निर्वहन कर रही है।

## हेरा पंचमी पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब, महालक्ष्मी की शोभायात्रा बनी आकर्षण का केंद्र

बीजपुर/सोनभद्र, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। रिहंदेश्वर धाम महादेव मंदिर समिति द्वारा आयोजित श्रीजगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव के अंतर्गत हेरा पंचमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर माता महालक्ष्मी की भव्य शोभायात्रा परंपरानुसार गुंडिचा मंदिर (कल्याण केंद्र) पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों की गूंज और पुष्पवर्षा के बीच उनका भव्य स्वागत किया।

पौराणिक परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ के बिना बताए गुंडिचा मंदिर जाने से नाराज माता महालक्ष्मी की लीला का मंचन किया गया। माता महालक्ष्मी की भूमिका निभा रहीं एनटीपीसी रिहंदनगर की प्रथम महिला नीलू असाटी ने भगवान जगन्नाथ से प्रतीकात्मक नाराजगी व्यक्त करते हुए उनके रथ 'नंदी घोष' के एक भाग को क्षतिग्रस्त किया। इस भावपूर्ण प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भगवान और माता महालक्ष्मी के प्रेम, स्नेह एवं मानवीय लीलाओं का सजीव दर्शन कराया।

पूजन-अर्चन के मुख्य यजमान उपमहाप्रबंधक जी.सी. साहु ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा संपन्न कराई। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण राधा-रानी की वेशभूषा में पहुंचे सैकड़ों नन्हे-मुन्ने बच्चे रहे। उनकी मनमोहक प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। परियोजना प्रमुख संजय असाटी ने सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा एवं भगवान बलभद्र के विग्रहों का दर्शन-पूजन एवं आरती कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इसके बाद प्रसाद का वितरण किया गया।

थाना प्रभारी राजेश सिंह एवं उपनिरीक्षक कमलाकांत पांडेय अपने सहयोगियों के साथ पूजा पंडाल पहुंचे और भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर परियोजना प्रमुख संजय असाटी, महिला मंडल की अध्यक्षा नीलू असाटी, महाप्रबंधक प्रणय कुमार नायक, मंदिर समिति के अध्यक्ष योगेश त्रिपाठी, उपाध्यक्ष जी.सी. साहु, आर.एन. वर्मा, तुलिका राय, बीएमएस अध्यक्ष राकेश राय, एस.एन. पाठक, प्रमोद द्विवेदी, मीडिया प्रभारी अनंत मोहन, शशांक मालवीय, संजय कुमार, रामानंद यादव, हरिओम मिश्रा, एस.बी. पाठक, रिंकेश उपाध्याय, अवनीश पांडेय सहित मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## सिंचाई विभाग नहर निर्माण के लिए कर रहा कौड़ियों के भाव

### विस्थापितों की तर्ज पर पुनर्वास पैकेज व अन्य सुविधाओं की मांग

दुद्धी (सोनभद्र), 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। कनहर बांध अमवार से निकलने वाली नहर के निर्माण के लिए सिंचाई विभाग द्वारा किसानों की जमीनों का बैनामा कराने का काम तेजी से चल रहा है,लेकिन विभाग द्वारा तय की गई मुआवजा राशि को लेकर क्षेत्र के किसानों में गहरा असंतोष और आक्रोश व्याप्त है।किसानों का आरोप है कि सिंचाई विभाग उनकी कीमती जमीनों को कृषि दर पर लेकर कौड़ियों के भाव अधिग्रहित कर रहा है।सिंचाई विभाग द्वारा नहर के लिए जमीन अधिग्रहण की दर मात्र 11 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर तय की गई है।आज के समय में जमीन की बाजार दर (मार्केट वैल्यू) इससे कहीं अधिक है। किसानों का कहना है कि इस मामूली रकम से वे भविष्य में अपने परिवार के लिए दूसरी जमीन भी नहीं खरीद पाएंगे। कम मुआवजे के कारण किसानों के सामने अपनी आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।किसानों ने सिंचाई विभाग की इस नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। किसानों का कहना है कि जब कनहर बांध के मुख्य विस्थापितों को सरकार द्वारा तीन पीढ़ियों तक का 7 लाख 11 हजार रुपए पुनर्वास पैकेज और अन्य सुविधाएं दी जा सकती हैं, तो नहर निर्माण के लिए जमीन देने वाले किसानों के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है ? नहर के प्रभावित किसान हीरालाल, उमेश, रामलाल, सूरज सहित तमाम किसानों ने भी मांग की है कि उन्हें मुख्य विस्थापितों की तर्ज पर ही सम्मानजनक मुआवजा और पुनर्वास पैकेज दिया जाए।

इस संबंध सिंचाई विभाग के अधिकारियों का कहना है कि शासन के आदेशानुसार नहर के लिए किसानों से जमीन अधिग्रहण की जा रही है।

## 10 साल से जलभराव की समस्या, अंतरराज्यीय बस स्टैंड बेहाल

सिंगरौली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। जिला मुख्यालय स्थित अंतरराज्यीय बस स्टैंड वैढ़न के मुख्य प्रवेश द्वार पर जलभराव की समस्या वर्षों बाद भी खत्म नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 10 वर्षों से बारिश के दौरान यहां पानी भरने की समस्या बनी हुई है, जिससे यात्रियों और व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार को जोड़ने वाले इस प्रमुख बस स्टैंड से प्रतिदिन हजारों यात्रियों का आवागमन होता है। बारिश के समय मुख्य द्वार पर पानी भरने और परिसर में बने गड्ढों के कारण बसों एवं अन्य वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है।इससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। व्यापारियों का कहना है कि मस्जिद तिराहा, तुलसी मार्ग और काली मंदिर क्षेत्र का बारिश का पानी बस स्टैंड परिसर से होकर चौपाटी की ओर निकलता है। हाल ही में बनाई गई नाली भी जल निकासी में प्रभावी साबित नहीं हो रही है। उनका आरोप है कि नाली का निर्माण पर्याप्त चौड़ाई और गहराई के बिना किया गया, जिसके कारण पानी जमा हो जाता है। व्यापारियों ने बताया कि बस स्टैंड के समीप दुर्गा मंदिर के सामने अतिक्रमण हटाने के बाद फल मंडी संचालन की योजना बनाई गई थी।

## अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, मचा हड़कंप

### 60.79 बल्क लीटर मदिरा जब्त, तीन आरोपियों पर आबकारी एक्ट में मामला दर्ज

सिंगरौली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। जिले में अवैध शराब के संग्रहण एवं बिक्री के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की टीम ने वृत्त सरई क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में दबिश देकर बड़ी मात्रा में अवैध मदिरा जब्त की है।

कार्रवाई के दौरान ग्राम गौड़बहरा में आरोपी कैलाश यादव की किराना दुकान एवं रिहायशी मकान की तलाशी ली गई। यहां से 50 नग देशी मदिरा प्लेन, 50 नग देशी मदिरा मसाला तथा 48 नग ली माउंट 6000 बीयर केन सहित कुल 42 बल्क लीटर मदिरा जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 15 हजार 576 रुपये बताई गई है।

इसी प्रकार ग्राम पुरेल एवं पठरीदा में आरोपी रामजी जायसवाल एवं रामनरेश बेस की किराना दुकानों पर कार्रवाई करते हुए 34 नग देशी मदिरा प्लेन, 2 नग देशी मदिरा मसाला, 2 नग गोवा मदिरा, 3 नग ली माउंट बीयर बोतल एवं 20 नग बीयर केन सहित कुल 18.79 बल्क लीटर मदिरा जब्त की गई। इसकी अनुमानित कीमत 6 हजार 370 रुपये है।

आबकारी विभाग द्वारा दोनों कार्रवाइयों में कुल 60.79 बल्क लीटर अवैध मदिरा, जिसकी कुल अनुमानित कीमत 21 हजार 946 रुपये है, जब्त की गई। तीनों आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित 2000) की धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक सुश्री नीलिमा मार्को, आबकारी आरक्षक बहादुर सिंह, अनुज भुजिया एवं रीतिका चैकसे सहित विभागीय अमला शामिल रहा।

## एक ऐसा महाविद्याल जहाँ 7 विषयों के अध्यापक ही नही, कैसे होगी इन विषयों की पढ़ाई

(रमेश यादव)

दुद्धी, सोनभद्र, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। दुद्धी शुरू से ही शिक्षा के प्रति सजग रही है।आजादी से पहले ही दुद्धी में सरदार रुप चंद सिंह जी के नेतृत्व में 1946 में ही गवर्मेंट हाई स्कूल की स्थापना हुई थी।विकास की ओर उन्मुख होते हुए वर्ष के 1965- 66 में राजकीय इंटर कॉलेज का दर्जा प्राप्त हुआ। तत्पश्चात 1973 में आजादी के लगभग 25 वर्ष बाद ही दुद्धी तहसील मुख्यालय पर राजकीय महाविद्यालय दुद्धी जिला मिजार्पुर की स्थापना हुई। शुरूआत में भले ही दुद्धी में शिक्षा सहित अन्य संस्थान बेहतरीन ढंग से संचालित हुए हों लेकिन वर्तमान में प्राचार्य सहित मात्र 11 प्रोफेसरों के भरोसे राजकीय महाविद्यालय दुद्धी के लगभग 2000 छात्र/छात्राओं का भविष्य देखने को मिल रहा है। महाविद्यालय में स्नातक में कला, वाणिज्य तथा गणित व विज्ञान संकाय तथा स्नातकोत्तर स्तर पर कला वर्ग में हिंदी, राजनीति शास्त्र और समाजशास्त्र एवं विज्ञान संकाय में मात्र एक विषय वनस्पति विज्ञान से कक्षाएं संचालित है,परन्तु प्राध्यापकों के अभाव

में आदिवासी, गिरिवासी, वनवासी उबड़ खाबड़ पठारी भू भागों में स्थित यह महाविद्यालय अपने क्षेत्र के छात्रों के उच्च शिक्षण संस्थान में शिक्षा प्राप्त कराने में असफल साबित हो रही है क्योंकि महाविद्यालय में 25 प्राध्यापक के पद सृजित है,जिसमें मात्र 11 कार्यरत हैं।महाविद्यालय में महत्वपूर्ण विषयों अर्थशास्त्र, इतिहास,संस्कृत, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा गणित विषयों के पद रिक्त चल रहे हैं।जिससे छात्रों का भविष्य अंधकारमय है यह महाविद्यालय कई उतार चढ़ाव और उपेक्षाओं को झेलते हुए अपने स्वर्ण जयंती वर्ष पूर्ण कर चुका है जो दुद्धी क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। अपने स्वर्ण जयंती वर्ष पूर्ण करने वाले जिले का अग्रणी महाविद्यालय को भले ही आज तक स्नातकोत्तर कॉलेज का दर्जा नही मिल पाया है फिर भी अपनी न्यूनतम सुविधाओं और न्यूनतम अध्यापकों में बेहतर शिक्षा के लिए जाना जाता है जहाँ हजारों बच्चे हर साल पढ़ते हैं। भाऊ राव देवरस राजकीय महाविद्यालय दुद्धी के प्राचार्य डॉ राजेश कुमार भारती बताते हैं कि यह महाविद्यालय अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश कर गया है।यह गौरव का विषय है कि इस गौरव पूर्ण स्वर्ण जयंती वर्ष पर मुझे प्राचार्य के रूप में सेवा करने का अवसर मिला है।उन्होंने बताया कि 2017 में एमएससी की कक्षाएं, स्मार्ट क्लासेज,एसी कांफ्रेंस हाल ,कम्प्यूटर कक्ष की स्थापना, आधुनिक लैब, खेल कूद के लिए खेल कूद मैदान और सांस्कृतिक मंच की स्थापना करायी गई है। बताया कि अध्यापकों की कमी को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

सिविल बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यनारायण यादव एडवोकेट बताते हैं कि राजकीय महाविद्यालय दुद्धी ने अपने स्वर्ण जयंती वर्ष के सफर में प्राध्यापकों एवं सुविधाओं की कमियों को झेल रहा हैं।

## 5 सूत्रीय मांगों को लेकर पटवारियों का अल्टीमेटम

सिंगरौली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। मध्यप्रदेश पटवारी संघ की तहसील इकाई सिंगरौली नगर ने अपनी वर्षों से लंबित पांच सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। संघ ने मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं होने की स्थिति में 3 अगस्त 2026 से प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है।पटवारी संघ का कहना है कि लंबे समय से उनकी विभिन्न मांगें लंबित हैं, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। कई बार शासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। संघ ने सरकार से मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की अपील की है। साथ ही स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय तक मांगें पूरी नहीं हुईं तो प्रदेशभर के पटवारी 3 अगस्त से कलमबंद हड़ताल शुरू करेंगे।पटवारी संघ ने कहा कि हड़ताल की स्थिति में नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, राजस्व अभिलेखों के संधारण सहित अन्य राजस्व संबंधी शासकीय कार्य प्रभावित हो सकते हैं।

## खाद, फ्लाईऐश परिवहन और अवैध खनन पर कड़ी निगरानी के निर्देश

सिंगरौली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर श्री गौरव बैनल ने जिले में संचालित विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को डबल लॉक उर्वरक गोदामों का नियमित एवं औचक निरीक्षण कर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद एवं बीज की गुणवत्ता जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। फ्लाईऐश परिवहन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने खनिज विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं परिवहन विभाग को संयुक्त जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर जब्ती एवं जुमार्ने की कार्रवाई करने को कहा। साथ ही अवैध रेत खनन एवं भंडारण पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने वृक्षारोपण अभियान को गति देने, राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण, नक्शा सुधार अभियान और वनाधिकार दावों के पुनः परीक्षण के निर्देश भी दिए। उन्होंने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य को समय सीमा में पूरा करने पर जोर दिया। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुएऔ कलेक्टर ने लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने तथा जनसुनवाई एवं लोक सेवा गारंटी के आवेदनों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में अपर कलेक्टर पीएस त्रिपाठी सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

## ट्रक-ट्रेलरों के आतंक से तीर्थ यात्री परेशान

सिंगरौली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। स्थानीय शक्तिपीठ श्री ज्वालामुखी मंदिर, शक्ति नगर क्षेत्र का प्रमुख धार्मिक एवं आस्था का केंद्र है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार सहित देश के विभिन्न राज्यों से वर्षभर श्रद्धालु एवं तीर्थयात्री दर्शन-पूजन के लिए यहां आते हैं। आगामी श्रावण मास को देखते हुए प्रतिदिन बड़ी संख्या में कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। मंदिर के सामने स्थित प्राचीन मार्ग के समीप एनटीपीसी सिंगरौली तृतीय चरण विस्तार परियोजना द्वारा निर्माण कार्य हेतु बनाए गए मटेरियल यार्ड के कारण क्षेत्र में भारी वाहनों, ट्रकों, ट्रेलरों एवं बल्क कैरियरों का आवागमन लगातार बढ़ गया है। आरोप है कि ये भारी वाहन मंदिर परिसर के पार्किंग स्थल में खड़े कर दिए जाते हैं तथा मार्ग को अवरुद्ध कर देते हैं, जिससे श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर पार्किंग में खड़े वाहनों के चालक खुलेआम मांस एवं मदिरा का सेवन करते हैं, जिससे धार्मिक स्थल की गरिमा भी प्रभावित हो रही है। इस संबंध में मंदिर के तीर्थ पुरोहित पंडित वेदांती मिश्रा द्वारा पूर्व में मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के उपरांत स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पार्किंग से वाहनों को हटवाया था, किंतु परियोजना प्रबंधन की लापरवाही के कारण पुनः भारी वाहन मंदिर परिसर एवं पार्किंग क्षेत्र में खड़े किए जाने लगे हैं। मंदिर के तीर्थ पुरोहितों एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने परियोजना प्रबंधन से पूर्व में निर्मित, किंतु वर्तमान में बंद पड़े वैकल्पिक मार्ग को पुनः चालू करने का आग्रह किया था, ताकि निर्माण कार्य में लगे भारी वाहनों का आवागमन उसी मार्ग से हो सके और तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल सके। इसके बावजूद अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। वर्तमान स्थिति में मंदिर के मुख्य प्रवेश मार्ग एवं प्राचीन मार्ग पर लगातार भारी वाहनों की आवाजाही तथा मंदिर पार्किंग में ट्रक-ट्रेलरों के खड़े रहने से श्रद्धालुओं, महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को आवागमन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, दुर्घटना की आशंका भी लगातार बनी हुई है।

## एसडीओपी कार्यालय के पास कोयले से लदा ट्रक पलटा, बड़ा हादसा टला

सिंगरौली, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। सिंगरौली जिले के जियावन थाना क्षेत्र में सोमवार को एसडीओपी देवसर कार्यालय के पास कोयले से लदा एक भारी वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक सड़क किनारे लगी तार की बाउंड्री और कई पेड़ों को तोड़ते हुए खाई में जा गिरा। गनीमत रही कि घटना के समय आसपास कोई राहगीर या अन्य वाहन इसकी चपेट में नहीं आया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक तेज गति में था और चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि जियावन थाना क्षेत्र से पूरे दिन ओवरलोड कोयले से लदे भारी वाहन गुजरते हैं, जिससे लगातार दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। लोगों ने प्रशासन से ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई करने और नियमित जांच अभियान चलाने की मांग की है। फिलहाल दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। चालक की स्थिति और नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है।

## डीएम की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु/ एमओयू क्रियान्वयन बैठक सम्पन्न

गाजीपुर, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। जिला उद्योग बन्धु /एम0ओ0यू0 क्रियान्वयन की बैठकअपरान्ह 5.00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार गाजीपुर में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित कार्यसूची पर चर्चा उपरान्त निर्णय लिया गया। बैठक में बशिष्ट सिंह यादव, मे0 ब्राई प्लास्ट, मुगलानीचक, गाजीपुर विद्युत बिल में रेगुलरटी सरचार्ज के सम्बन्ध में कमेटी बनाकर जॉच कराये जाने हेतु प्रबन्ध निदेशक, पूर्वांचल विद्युत वितरण मण्डल, वाराणसी को पत्र प्रेषित किये जाने का निर्देश दिया गया। बैठक में व्यापारियों ने सीवर लाइन हेतु खोदे गये गड्ढ़ों के कारण खराब हुई सड़कों को दुरूस्त किये जाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि नगर पालिका परिषद् के अन्दर सड़कों एवं सी0सी0 रोडों के निर्माण हेतु मुख्य राजस्व अधिकारी को जॉच करने हेतु पत्र प्रेषित किया जाय। ए0के0 दुबे, गाजीपुर ने अनुरोध किया था कि मुगलानीचक में मेरा निजी भूखण्ड है, जिसमें औद्योगिक इकाई स्थापित किया जाना है, जिसके सम्बन्ध अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, गाजीपुर द्वारा बताया गया कि 80 प्रतिशत नाले का निर्माण हो चुका है। रमेश कुमार आर्य, नन्दगंज, गाजीपुर द्वारा औद्योगिक आस्थान नन्दगंज, गाजीपुर के परिसर में साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट, पुलिस चौकी/पुलिस भ्रमण की व्यवस्था किये जाने की मांग की गई थी। जिसके सम्बन्ध में स्ट्रीट लाइट लग गयी है। पुलिस चौकी हेतु प्रस्ताव शासन को भेजने का निर्देश दिया गया।

## करीमुद्दीनपुर पुलिस द्वारा दो वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

गाजीपुर, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के द्वारा चलाये जा रहे अपराध व अपराधियों के विरुध्द अभियान मे गिरफ्तारी हेतु अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन में क्षेत्राधिकारी मु०बाद जनपद गाजीपुर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक राज नरायन अपने हमराह हे0का0 हरिमोहन सिंह, रि0का0 कृष्ण कुमार पटेल, रि०आ० प्रसाद प्रशान्त कुमार गणेश वाहन सरकारी मय चालक का0 बलराम गोड व उ0नि0 कमलेश गुप्ता, का0 मंगला प्रसाद, रि0का0 वीरेन्द्र पाल मय वाहन सरकारी जीप मय चालक का0 भीम भारती दिनांक 20.07.2026 को थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 109/26 धारा 304(2),317(2) बीएनएस थाना करीमुद्दीनपुर जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित अभियुक्त 1. संतोष चौहान पुत्र स्व० गुलाब चौहान 2. किशन डोम पुत्र अमरजीत डोम निवासीगण ग्राम लहूडीह थाना करीमुद्दीनपुर जनपद गाजीपुर को ग्रीनफिल्ड रोड पड़ाव से प्रभारी निरीक्षक राज नरायन मय हमराह हे0का0 हरिमोहन सिंह, रि0का0 कृष्ण कुमार पटेल, रि०आ० प्रसाद प्रशान्त कुमार गणेश वाहन सरकारी मय चालक का0 बलराम गोड व उ0नि0 कमलेश गुप्ता, का0 मंगला प्रसाद, रि0का0 वीरेन्द्र पाल मय वाहन सरकारी जीप मय चालक का0 भीम भारती द्वारा समय 22.00 बजे कारण गिरफ्तारी बताकर नियमानुसार गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु रवाना किया गया।

## खेत बचाओ अभियान के तहत यूबीआई गहमर ने लगाया कैम्प

गाजीपुर, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, गहमर शाखा में ह्यह्यखेत बचाओ अभियान-2026ह्यह्य के अंतर्गत प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, गाजीपुर राजदेव कुमार, शाखा प्रबंधक गहमर, कुतुबपुर एवं पकड़ितर सहित बैंक के बीसी एवं सीएफएल स्टाफ उपस्थित रहे। बैठक में अधिक से अधिक पात्र किसानों एवं ग्रामीण नागरिकों को उपरोक्त योजनाओं का लाभ दिलाने, किसान क्रेडिट कार्ड बनाने तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। अग्रणी जिला प्रबंधक ने सभी अधिकारियों एवं बीसी को गांव-गांव जाकर जनजागरूकता अभियान चलाने तथा पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध तरीके से योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए।

# अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

## जून माह में 133 वाहनों पर प्रवर्तन कार्रवाई, 19.09 लाख रुपये की वसूली

मऊ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी आनंद वर्धन के निर्देश के क्रम में जनपद में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन की रोकथाम हेतु लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है खान निरीक्षक पुनाराम अहाके ने प्रवर्तन अभियान चलाकर खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन में संलिप्त वाहनों की जांच की। इस दौरान वाहनों के वैध प्रपत्र, ओवरलोडिंग तथा बिना नंबर के वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान अनियमितता पाए जाने पर संबंधित वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी प्रवर्तन कार्रवाई की गई।माह जून में कुल 133 वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्रवाई की गई है। इन वाहनों की जांच के दौरान बिना वैध प्रपत्र के पाए गए वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। बिना वैध प्रपत्र के पाए गए वाहनों से कुल 13.45 लाख रुपये की वसूली की गई। इसके अतिरिक्त ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। ओवरलोड वाहनों से कुल 5.64 लाख रुपये की वसूली की गई। इस प्रकार माह जून में बिना वैध प्रपत्र एवं ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 19.09 लाख रुपये की वसूली की गई। जिलाधिकारी आनंद वर्धन के निर्देश दिए हैं कि अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से प्रवर्तन अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए हैं कि जिन वाहनों



द्वारा चालान जमा नहीं किया जाता है, उन्हें नियमानुसार ब्लैक लिस्ट किया जाए। इस संबंध में उन्होंने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को भी आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में माह जुलाई में भी प्रवर्तन कार्रवाई लगातार जारी रखी गई। दिनांक 01 जुलाई 2026 से 15 जुलाई 2026 तक कुल 23 वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। इस दौरान वाहनों के वैध प्रपत्रों की जांच की गई। इसके साथ ही ओवरलोड एवं बिना नंबर के वाहनों की भी जांच की गई। जांच में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। जुलाई माह में बिना वैध प्रपत्र के पाए गए वाहनों से कुल 8.65 लाख रुपये की वसूली की गई। वहीं ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 1.52 लाख रुपये की वसूली की गई। इस प्रकार दिनांक 01 जुलाई 2026 से 15 जुलाई 2026 तक कुल 10.17 लाख रुपये की वसूली की गई। जून माह और जुलाई माह की 15 जुलाई तक की कार्रवाई को मिलाकर कुल 156 वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्रवाई की गई। इनमें माह जून के 133 वाहन तथा 01 जुलाई से 15 जुलाई तक के 23 वाहन शामिल हैं। बिना वैध प्रपत्र के वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 22.10 लाख रुपये की वसूली की गई। इसमें माह जून में वसूले गए 13.45 लाख रुपये तथा जुलाई में वसूले गए 8.65 लाख रुपये शामिल हैं। इसी प्रकार ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 7.16 लाख रुपये की वसूली की गई। इसमें जून माह में वसूले गए 5.64 लाख रुपये तथा जुलाई में वसूले गए 1.52 लाख रुपये शामिल हैं। इस प्रकार दोनों अवधियों में बिना वैध प्रपत्र एवं ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई से कुल 29.26 लाख रुपये की वसूली की गई। जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। प्रवर्तन टीमों द्वारा वाहनों के दस्तावेजों की नियमित जांच की जा रही है।

## जनसामान्य को स्वरोजगार योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी



मऊ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में तहसील मधुबन में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य जनपद के इच्छुक युवाओं, कारीगरों एवं उद्यम स्थापित करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को विभागीय स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराना तथा उन्हें योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करना था।

जागरूकता शिविर में मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (ढटएऋ) तथा प्रजापति समाज एवं कुम्हारी कार्य से जुड़े कारीगरों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, अनुदान एवं ऋण संबंधी प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों से योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

शिविर में अग्रणी जिला प्रबंधक पवन कुमार मिश्र, खादी संस्था के सुरेश यादव, ब्रह्मानन्द सिंह, रामकृत मौर्य, विजुली यादव सहित अन्य अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने प्रतिभागियों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी तथा उनके प्रश्नों का समाधान किया।

उन्होंने कहा कि शासन की स्वरोजगार योजनाओं का उद्देश्य युवाओं एवं पारंपरिक कारीगरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करना है।

# जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद के बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों की हुई सघन जांच

## मैरिज हॉल, होटल, अस्पताल, लाइब्रेरी, मॉल एवं अन्य प्रतिष्ठानों का किया गया निरीक्षण

मऊ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन के निर्देश के क्रम में नगर मजिस्ट्रेट ने जनपद में स्थित बड़े व्यावसायिक भवनों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों की सघन जांच की गई। निरीक्षण अभियान के अंतर्गत मैरिज हॉल, होटल, अस्पताल, स्कूल, मॉल, लाइब्रेरी, गोदाम, शोरूम एवं अन्य बहुमंजिला व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की गई।जांच के दौरान प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों, आवश्यक व्यवस्थाओं एवं अन्य संबंधित बिंदुओं का निरीक्षण किया ।निरीक्षण के दौरान कमियां पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया ।जिसमें सदर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत डायमंड होटल ख्वाजाजहांपुर, द राय पैलेस ख्वाजाजहॉपुर, अली बिल्डिंग सहादतपुरा, राहुल हास्पिटल सहादतपुरा, वी-मार्ट, राकेश अग्रवाल पुत्र प्रहलाद अग्रवाल सहादतपुरा, अनुपम वस्त्रालय सहादतपुरा, इण्डेन डेज्सेज, सहादतपुरा, आकाश इस्टीट्यूट सहादतपुरा, अपना बाजार सहादतपुरा, रिलायन्स टेज्ड सहादतपुरा, रिलेक्सो भोरूम सहादतपुरा, एम्बिशन लाईब्रेरी हरिश जायसवाल, सहादतपुरा, लाईब्रेरी श्री राकेश सिंह, सहादतपुरा, विद्या लाइब्रेरी, सलाहाबाद, ज्योति टावर, सहादतपुरा, अमृत लाइब्रेरी मिजार्हादीपुरा, निखिल लाइब्रेरी भीटी, एस0जे0 लाइब्रेरी भीटी, तहसील मुहम्मदाबाद गोहना क्षेत्र के अन्तर्गत प्रेमा नरसिंह होम निकट बाईपास, केसरी हास्पीटल निकट बाईपास, जशवन्त मेडिकल गोडाउन निकटल बाईपास, ओम मैरिज हाल निकटल बाईपास, सैयाम खान गोदाम मेन मार्केट स्टेशन रोड, रामधनी यादव मेडिकल हाल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, प्रेमा नेत्र चिकित्सालय, सर्वशपिंग मॉल/ मैरिज हाल, दिनेश सिंह लाज रोडवेज थाना के सामने देवा लॉज, एलपीएम मैरिज लॉन गॉधी आश्रम रोड, आशीर्वाद मैरेज हाल सब्जी मण्डी के निकट, पुष्प वाटिका मैरेज हॉल सब्जी मण्डी के निकट, लाईफ केयर हास्पिटल डा0 आनन्द कुमार छप्पन भोग के पास, प्रकाश इलेक्ट्रानिक्स एण्ड फर्नीचर शो रूम ईदारतगंज, जी0एस0 मैरेज हाल सुरहुपुर, लक्ष्मी मैरेज हाल सुरहुरपुर, मंगलम मैरेज हॉल सुरहुरपुर, मॉ सरस्वती डिजिटल लाइब्रेरी रूकनपुर देवकली देवलास, आशीर्वाद मैरेज हॉल चिरैयाकोट, विनायक पैलेस चिरैयाकोट, श्याम वाटिका मैरेज हॉल चिरैयाकोट, मीरा ट्रेंड चिरैयाकोट, श्याम मैरेज हॉल फतेहपुर रानीपुर, मून वेकर्स एण्ड जीम गालिबपुर, बाम्बे मैरेज एण्ड जीम गालिबपुर। तहसील घोसी क्षेत्र के अन्तर्गत शकुन्तला चौहान ज्ञानस्थली मझवारा रोड़, पवन जायसवाल ए-2 मार्ट बड़ागांव, अम्बरीश बर्नवाल नावेल्टी गारमेन्ट्स कस्बाखास, कुसुम देवी आशीष वस्त्रालय कस्बाखास, नीलम सिंह अपना बाजार पुराना सिनेमा हॉल, आशीष सिंह अक्शा लाइब्रेरी मझवारा मोड़, जितेन्द्र सिंह वन इण्डिया फैशन मार्ट, तहसील मधुबन क्षेत्र के अन्तर्गत आशीर्वाद मैरिज हाल अनीता मल्ल पत्नी अरूण कुमार खिरी कोठा, श्रृंगार अवध मैरेज हाल अमन मल्ल पुत्र ओमप्रकाश, गंगाजली वस्त्रालय अजय गुप्ता पुत्र छोटेलाल पांति गली मुधबन, राजी मल्ली स्पेशलिस्ट हास्पिटल अनिल कुमार विश्वकर्मा तिवारी चक मधुबन, एएमएस मल्ष्ट स्पेशलीस्ट तरंग सोनकर बनियाबाद मोड़, मद्धेशिया स्वीट्स विशाल मद्धेशिया तिवारी चक मधुबन, पकीजा वस्त्रालय शमशेर अहमद सुल्तानपुर मधुबन मऊ बारहगावा, रायल रिटेल शाप इद्रीश अहमद पुत्र हाजी मुल्लाह गुप्ता गली मधुबन शामिल है। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं में कमियां पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया गया। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बड़े व्यावसायिक भवनों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।निरीक्षण अभियान को आगे भी निरंतर जारी रखा जाए। सुरक्षा मानकों का पालन न करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा जनपद में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

## जल है तो कल है, जल को बचायें, पानी को व्यर्थ न बहायें-अधिशासी अधिकारी



मऊ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। भू-जल सप्ताह के अंतर्गत जल संचयन, जल का विवेकपूण प्रयोग तथा जल संरक्षण के उपायों को अपनाने हेतु पूरे जनपद में चलाये जा रहे सात दिवसीय अभियान में नगरवासियों को शामिल करने के लिए मंगलवार को नगर पालिका परिषद के बैठक कक्ष में विशेष गोष्ठी का आयोजन हुआ। इस गोष्ठी में जन संरक्षण के प्रति नगरपालिका कर्मियों को अधिशासी अधिकारी/उप नगर आयुक्त डा. मणि भूषण तिवारी ने जल संरक्षण की शपथ दिलाई । जिसमें पालिका के अधिकारियों व कर्मचारियों ने प्रतिभाग कर पानी को व्यर्थ न बहाने व इसके सुरक्षित उपयोग करने की शपथ ली।

अधिशासी अधिकारी/उप नगर आयुक्त डा. मणि भूषण तिवारी ने बताया कि ह्यह्यकैच द रेनह्लह्ल, ह्यह्यजल है तो कल हैह्लह्ल की थीम के साथ यह 7 दिवसीय जनपद स्तरीय सघन जल संचयन, संरक्षण एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है । जिसमें नगरवासियों से शामिल होने की अपेक्षा की गयी है ।उन्होंने बताया कि नगर पालिका में जल संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत पानी के सुरक्षित एवं उचित प्रयोग तथा बारिश के परनी को हार्वेस्ट करने हेतु जागरूकता की शपथ दिलाई गई है ।शपथ में जल के समुचित उपयोग करने, पानी बचाने और उसके विवेकपूर्ण उपयोग करने, पानी की हर एक बूंद का संचयन करने, कैच द रेन को बढ़ावा देने, पानी को अनमोल संपदा समझने, परिवारजनों, मित्रों और पड़ोसियों को इसके विवेकपूर्ण उपयोग करने और इसे व्यर्थ नहीं करने के प्रति प्रेरित करने का संकल्प लिया।

उन्होंने कहा कि भू-जल सप्ताह के आयोजन को सफल बनाने हेतु हमें सार्थक प्रयास करना होगा क्योंकि इसके इलावा दूसरा कोई विकल्प ही नहीं है ।अधिशासी अधिकारी ने पालिका स्तर से जल संरक्षण पर काम करने व इस व्यापक अभियान में लोगों को शामिल करने के लिये प्रेरित करने हेतु जलकल विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश दिया ।उक्त गोष्ठी में लेखाकार त्रिलोक नाथ मिश्रा आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

## आज से 8 सितंबर तक चलेगा, निःशुल्क खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान

मऊ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डा. सी पी सिंह कुशवाहा ने बताया कि पशुओं में होने वाले खुरपका मुँहपका रोग के नियन्त्रण हेतु केन्द्र सरकार द्वारा संचालित एफ०एम०डी०सी०पी० योजना के तहत अष्टम चरण में पशुओं में टीकाकरण कार्य जनपद में दिनांक 22 जुलाई से 08 सितंबर तक विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जायेगा। इस दौरान निःशुल्क खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा, 2.04 लाख पशुओं को लगेगा टीका, एफएमडी नियंत्रण को लेकर विशेष अभियान शुरू हो गया है।27 टीमें घर-घर जाकर करेंगी पशुओं का टीकाकरण करेंगी। जनपद के 204000 गोवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जायेगा। अभियान को सफल बनाने के लिए जनपद के सभी 9 विकास खण्डों में स्थित सभी पशु चिकित्सालयों के माध्यम से टीकाकरण सम्पादित किया जायेगा।इसके लिए 27 टीकाकरण टीमें गठित की गयी है। जो गाँव-गाँव और घर-घर पहुँचकर पशुओं को निःशुल्क टीका लगायेगी।

## लोक सेवक जवाबदेही अधिनियम बनाने की मांग को लेकर आजाद अधिकार सेना ने सौंपा ज्ञापन



मऊ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। लोक सेवक जवाबदेही अधिनियम बनाने की मांग को लेकर आजाद अधिकार सेना ने मंगलवार को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन अपर उपजिलाधिकारी को सौपा।ज्ञापन में 'लोक सेवक जवाबदेही अधिनियम बनाए जाने की मांग की गई। कहा कि वर्तमान व्यवस्था में अधिकांश मामलों में कार्रवाई केवल नागरिकों, संस्थाओं अथवा निजी व्यक्तियों के विरुद्ध होती है।जबकि यह गंभीरता से नहीं देखा जाता कि संबंधित सरकारी अधिकारी अथवा अन्य लोक सेवकों ने उस कथित अनियमितता को वर्षों तक होने या बने रहने क्यों दिया। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि कोई अवैध निर्माण, अतिक्रमण, अवैध खनन, भर्ती घोटाला, प्रश्नपत्र लीक, खाद्य मिलावट, पर्यावरण प्रदूषण, भूमि घोटाला अथवा अन्य गंभीर अनियमितता लंबे समय तक चलती रहती है, तो उसकी जिम्मेदारी केवल संबंधित निजी व्यक्ति की नहीं बल्कि संबंधित प्रशासनिक व्यवस्था की भी निर्धारित होनी चाहिए। आजाद अधिकार सेना ने मांग की है कि संसद द्वारा 'लोक सेवक जवाबदेही अधिनियम' बनाया जाए, जिसके अंतर्गत प्रत्येक गंभीर अनियमितता में संबंधित लोक सेवकों की भूमिका की जांच तथा आवश्यकतानुसार उनके विरुद्ध विभागीय एवं विधिक कार्रवाई अनिवार्य की जाए। कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों के साथ-साथ लोक सेवकों की जवाबदेही भी समान रूप से आवश्यक है। ज्ञापन देने वालों में मण्डल अध्यक्ष गोपाल सिंह, नवमी निषाद आदि शामिल रहे।

# जिला बदर अपराधियों पर रखें नजर,मजबूत तथ्यों के साथ पैरवी कर अपराधियों को दिलाये सजा - जिलाधिकारी



मऊ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कानून व्यवस्था एवं अभियोजन शाखा की मासिक समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जून माह के दौरान अभियोजन शाखा की प्रगति, विभिन्न न्यायालयों में वादों के निस्तारण तथा कानून-व्यवस्था से संबंधित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई।

संयुक्त निदेशक अभियोजन ने बताया कि जून माह में सत्र न्यायालय में आईपीसी के 22 मुकदमों का निस्तारण हुआ, जिनमें 6 में सजा तथा 16 में अभियुक्तों की रिहाई हुई। अन्य अधिनियम के 2 मुकदमों में एक में सजा तथा एक में दाखिल दफ्तर हुआ। एससी/एसटी एक्ट में कोई मुकदमा निस्तारित नहीं हुआ, जबकि गैंगस्टर एक्ट के एक मुकदमे का निस्तारण हुआ। पॉक्सो एक्ट के 3 मुकदमों में 2 में सजा तथा 1 में रिहाई हुई।

अधिनस्थ न्यायालयों में आईपीसी के 101 मुकदमों का निस्तारण हुआ, जिनमें 34 में सजा, 20 में रिहाई तथा 22 में सुलह हुई। अन्य अधिनियमों के 167 मुकदमों का निस्तारण किया गया, जिनमें सभी में सजा हुई। इस प्रकार जून माह में अधीनस्थ एवं सत्र न्यायालयों में कुल 296 मुकदमों का निस्तारण हुआ, जिनमें 210 में सजा, 37 में रिहाई, 22 में सुलह तथा शेष मामलों में सत्र सुपुर्द एवं दाखिल दफ्तर की कार्रवाई हुई। जिलाधिकारी ने जघन्य अपराधों में शीघ्र सजा कराने के निर्देश देते हुए कहा कि विशेष रूप से फास्ट ट्रैक कोर्ट में लंबित मामलों की प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को जल्द से जल्द दंडित कराया जाए। उन्होंने रिहाई वाले मामलों में पक्षद्रोहिता एवं अन्य कारणों की जांच कर उनके निराकरण हेतु ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने अन्य अधिनियमों के अंतर्गत लंबित वादों के अपेक्षाकृत कम निस्तारण पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि वादों के निस्तारण की संख्या बढ़ाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी कार्रवाई की जाए। गंभीर मामलों में रिहाई एवं जमानत की बढ़ती संख्या पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने पुलिस एवं अभियोजन विभाग को बेहतर समन्वय स्थापित कर सशक्त साक्ष्यों के साथ प्रभावी पैरवी करने के निर्देश दिए। जिससे अधिक से अधिक अपराधियों को सजा दिलाई जा सके तथा जमानत निरस्त कराने के प्रयास किए जाएं।

एससी/एसटी एक्ट में जून माह के दौरान एक भी मुकदमे का निस्तारण न होने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने इस श्रेणी के मामलों के शीघ्र निस्तारण हेतु विशेष कार्ययोजना बनाकर मजबूत तथ्यों एवं साक्ष्यों के साथ प्रभावी पैरवी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस एवं अभियोजन का प्रमुख उद्देश्य अपराधियों को कानून के अनुसार दंडित कराना है, इसलिए दोनों विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जहरीली एवं अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम गठित कर संवेदनशील एवं संदिग्ध स्थानों पर लगातार छापेमारी एवं कार्रवाई करने को कहा।

## हाइपरटेंशन पर कार्य के लिए डॉ. संजय सिंह सम्मानित



मऊ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। जनपद में आधुनिक चिकित्सा की नींव रखने वाले प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. संजय सिंह को हैदराबाद में आयोजित एक भव्य समारोह में हाइपरटेंशन की दिशा में सर्वोत्तम कार्य करने के लिए सम्मानित किया । वर्ल्ड हाइपरटेंशन लीग, यूरोपियन सोसाइटी आफ हाइपरटेंशन तथा इंडियन सोसाइटी आफ हाइपरटेंशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्वांचल में हाइपरटेंशन कम करने की दिशा में डॉ सिंह के अवदान को देखते हुए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।

डॉ संजय सिंह ने बताया कि शुरूआत में हाइपरटेंशन के लक्षण नहीं दिखते ।इसलिए इसे साइलेंट किलर भी कहते हैं। बार-बार कम या ज्यादा ब्लड प्रेशन होना, ज्यादा नमक सेवन, फास्ट फूड, नींद पूरा न होना, मोटापा, तनाव में रहना, धूम्रपान, शराब-तंबाकू का सेवन आदि इसके प्राथमिक कारण होते हैं जो बाद में किडनी की बीमारी, थायराइड की समस्या, हॉर्मोन से जुड़ी गड़बड़ी आदि समस्या में बदल जाते हैं। पिछले बीस वर्ष से आजमगढ़ मंडल सहित पूर्वांचल में इस दिशा में लोगों को जागरुक करने के साथ प्रभावी ढंग से इसका निदान किया गया है। डॉ संजय सिंह को यह सम्मान मिलने पर चिकित्सा जगत, समाजसेवियों सहित अनेक सामाजिक संगठनों ने उन्हें बधाई दी है।

### हत्या और गैरइरादतन हत्या के मामले में दो की जमानत अर्जी खारिज

मऊ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार यादव ने हत्या और गैरइरादतन हत्या के अलग-अलग मामलों में नामजद दो आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर दिया। जिला जज ने यह आदेश बचाव पक्ष और प्रभारी डीजीसी फौजदारी अजय कुमार सिंह के तर्कों को सुनने तथा केस डायरी का अवलोकन करने के बाद पारित किया। पहला मामला हलधरपुर थाना क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार ढोलवन गांव निवासी गोलू राजभर पुत्र स्व. रामजनम राजभर की तहरीर पर एफआईआर दर्ज हुई। वादी का कथन है कि 28 मई 26 को उसके पिता रामजनम राजभर गेहूं पीसवाकर आ रहे थे कि आरोपीगण जमीन व नाली के विवाद को लेकर गोली मारकर उनकी हत्या कर दिया। मामले में आरोपी मरुखा गांव निवासी शिवशंकर यादव पुत्र बब्बन यादव की ओर से जमानत के लिए अर्जी दी गई। जिसे सुनवाई के बाद खारिज कर दिया। दूसरा मामला कोतवाली घोसी क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार वादिनी मुकदमा कौशिल्या देवी की पुत्रवधू मीरा देवी को 30 अप्रैल 26 को मारापीटा जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने विवेचना के दौरान वादिनी मुकदमा कौशिल्या देवी पत्नी स्व. प्रविंद्र चौहान व मृतका के पति अखिलेश चौहान को आरोपी बनाया। मामले में आरोपी विजपुरा खदरा निवासी पति अखिलेश चौहान पुत्र स्व. प्रविंद्र चौहान की ओर से जमानत के लिए अर्जी दी गई। जिसे सुनवाई के बाद खारिज कर दिया।

### पॉलीथिन के खिलाफ चला जनजागरूकता अभियान, 20 किलो प्लास्टिक जब्त

मऊ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। अधिशासी अधिकारी/उप नगर आयुक्त डा. मणि भूषण तिवारी के निर्देश पर राजस्व निरीक्षक बलराम पाण्डेय के नेतृत्व में मंगलवार को नगर पालिका प्रशासन द्वारा शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से कटरा से सदर चौक, सदर चौक से पठानटोला एवं बंधा रोड क्षेत्रों में पॉलीथिन के उपयोग के विरुद्ध जनजागरूकता अभियान चलाया । अभियान के दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों और आम लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए इसके उपयोग से बचने की अपील की। अभियान के दौरान 20 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई है। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों पर पाँच हजार रुपये का चालान काटा। संबंधित अधिकारियों ने चेतावनी दी कि भविष्य में प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग, बिक्री या भंडारण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।अभियान के दौरान लोगों को कपड़े एवं जूट के थैलों का उपयोग करने के लिये प्रेरित किया। तथा पर्यावरण संरक्षण के लिये प्लास्टिक का प्रयोग पूरी तरह बंद करने का संदेश दिया गया।इस अभियान में राजस्व निरीक्षक बलराम पाण्डेय, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक राजीव कुमार शुक्ला व सत्यप्रकाश, डीपीएम मनीष सिंह एवं पालिका के अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण शामिल रहे।

### एनडीपीएस एक्ट में एक को एक वर्ष की सजा

मऊ,21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार यादव ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में आरोपी महेश हरिजन पुत्र श्यामधारी राम निवासी लुदही थाना सरायलखंसी को सुनवाई के बाद दोषी पाया। दोषी पाए जाने के बाद उसे एक वर्ष की सजा के साथ ही दो हजार रुपए अर्थदंड लगाया। मामला सरायलखंसी थाना क्षेत्र का हैं।

### वित्तविहीन शिक्षकों का प्रदर्शन

बलिया, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। बलिया में वित्तविहीन शिक्षक महासभा के सदस्यों ने मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि को सौंपा। उन्होंने वित्तविहीन शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए मासिक मानदेय, सेवा शर्तों का निर्धारण तथा चिकित्सा, सामाजिक सुरक्षा समेत अन्य वैधानिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई। महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश के वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक और कर्मचारी कई दशकों से बिना नियमित वेतन के शैक्षणिक सेवाएं दे रहे हैं। उनका कहना है कि वर्ष 1986 में जारी अध्यादेश के अनुसार वित्तविहीन व्यवस्था केवल दो वर्ष के लिए प्रयोगात्मक आधार पर लागू की जानी थी, लेकिन इसे आज तक समाप्त नहीं किया गया। इससे हजारों शिक्षक और कर्मचारी आर्थिक, सामाजिक व मानसिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016-17 में प्रदेश सरकार ने मासिक मानदेय के लिए 200 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया था।इसके बाद 12 सितंबर 2016 को वितरण नीति भी जारी हुई, लेकिन उसका लाभ शिक्षकों को मूल उद्देश्य के अनुरूप नहीं मिल सका। महासभा के अनुसार, शासन स्तर पर कई बार प्रत्यावेदन देने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर लखनऊ खंडपीठ में याचिका दायर की गई। 19 जुलाई 2023 को अदालत का आदेश आने के बाद भी अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है।

### बुद्धिजीवियों ने राज्यपाल से की अपील

बलिया, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)। बलिया कलक्ट्रेट में मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों ने राज्यपाल को संबोधित एक लेटर जिलाधिकारी प्रतिनिधि को सौंपा। इस लेटर के माध्यम से उन्होंने मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के ध्वस्तीकरण आदेश को तत्काल निरस्त करने के लिए राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग की। बुद्धिजीवियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 40 में से 38 भवनों को तकनीकी खामियों के आधार पर ध्वस्त करने का आदेश दिया है। इस विश्वविद्यालय में हजारों छात्र अध्ययनरत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आदेश राजनीतिक द्वेषवश जारी किया गया है। बुद्धिजीवी वर्ग ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश में पहले से ही विश्वविद्यालयों की कमी है। ऐसे में किसी स्थापित विश्वविद्यालय को राजनीतिक विद्वेष के तहत गिराया जाना समाज के मनोबल को तोड़ेगा। जिससे हजारों छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। लोगों ने राज्यपाल से आग्रह किया कि वे अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए इस मामले में हस्तक्षेप करें और विश्वविद्यालय के ध्वस्तीकरण के आदेश को तत्काल प्रभाव से निरस्त कराएं।

### स्थायी लोक अदालतों में अध्यक्ष पदों पर भर्ती

बलिया, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने प्रदेश के नौ जनपदों की स्थायी लोक अदालतों में अध्यक्ष के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन मांगे गए हैं। प्राधिकरण के अनुसार, इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन पत्र उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की आधिकारिक वेबसाइट तथा जनपद न्यायालय बलिया की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। आवेदन पत्र को निर्धारित प्रारूप में भरकर आवश्यक अभिलेखों के साथ विज्ञप्ति में दिए गए निर्देशों के अनुरूप निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करना होगा। विज्ञप्ति में भर्ती प्रक्रिया से संबंधित पात्रता, आयु सीमा, अनुभव, चयन प्रक्रिया, आवेदन की शर्तें तथा अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश विस्तार से उपलब्ध हैं। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन करने से पहले विज्ञप्ति का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें ताकि किसी प्रकार की त्रुटि से बचा जा सके। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी योग्य अभ्यर्थियों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि विलंब से प्राप्त या अपूर्ण आवेदन पत्रों पर नियमानुसार विचार नहीं किया जाएगा।

### डीएम ने डीपीआरओ का रोका वेतन

बलिया, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।बलिया के जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने सोमवार शाम कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड और आईजीआरएस की समीक्षा बैठक की। इस दौरान अनुपस्थित पाए गए जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) का एक दिन का वेतन रोकने का आदेश दिया गया। समीक्षा के दौरान, जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री आवास योजना और फैमिली आईडी की खराब रैंकिंग पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल रैंकिंग को 'ए' श्रेणी में लाने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के कार्यों में देरी से जिले की रैंकिंग प्रभावित होने पर जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस माह कार्य पूरे नहीं हुए तो संबंधित अधिकारियों का वेतन रोक दिया जाएगा। साथ ही, प्रत्येक ग्राम पंचायत से कम से कम दो से तीन पात्र आवेदन प्राप्त करने के निर्देश दिए गए।मंडी आय की रैंकिंग 'सी' पाए जाने पर भी जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि इस माह रैंकिंग में सुधार नहीं हुआ तो अगले माह संबंधित अधिकारियों का वेतन रोकने की कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक देवव्रत
www.dainikdevvrat.in
हिन्दी दैनिक, आजमगढ़
बुधवार, 22 जुलाई, 2026

# पेपर लीक के विरोध में छात्रों का कलेक्ट्रेट पर मार्च, पुलिस ने खदेड़ा

## ❑ प्रदर्शनकारी छात्रों ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की किया मांग, पुलिस ने दर्जनों छात्रों को हिरासत लेने के बाद छोड़ा

**आजमगढ़, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।** देशभर में पेपर लीक की घटनाओं को लेकर युवाओं में बढ़ते आक्रोश की गूंज मंगलवार को आजमगढ़ में भी सुनाई दी। दिल्ली के जंतर–मंतर पर चल रहे आंदोलन के समर्थन में बड़ी संख्या में छात्र कलेक्ट्रेट की ओर पैदल मार्च निकालते हुए पहुंचे। प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था और पेपर लीक पर प्रभावी रोक लगाने की मांग कर रहे थे। हालांकि कलेक्ट्रेट पहुंचने से पहले ही पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उनका रास्ता रोक दिया, जिसके बाद कुछ देर तक प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का– मुक्की होती रही।

स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस ने कई छात्रों को हिरासत में ले लिया। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। पूरे घटनाक्रम के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर और आसपास के इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। बड़ी संख्या में पुलिस के जवान तैनात रहे। छात्रों का कहना था कि वर्षों की मेहनत के बाद भी बार–बार पेपर लीक की घटनाओं से लाखों युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा व्यवस्था पर जनता का भरोसा कमजोर हुआ है, लेकिन जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है। प्रदर्शनकारी परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

प्रदर्शन में जिले के कई अधिवक्ता भी शामिल हुए। उन्होंने छात्रों के आंदोलन का समर्थन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाए रखना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच प्रशासन की कार्यशैली भी चर्चा का विषय बनी रही। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना था कि वे अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से प्रशासन तक पहुंचाना चाहते थे, लेकिन उन्हें कलेक्ट्रेट तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया गया। उनका आरोप था कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने का अवसर भी नहीं दिया गया। उधर, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून–व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए प्रदर्शनकारियों को निर्धारित सीमा से आगे नहीं जाने दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, एहतियातन कुछ छात्रों को हिरासत में लिया गया था, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। प्रशासन का कहना है कि पूरे घटनाक्रम के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता रही। गौरतलब है कि इससे पहले भी जंतर–मंतर पर चल रहे पेपर लीक विरोधी आंदोलन के समर्थन में जिले में छात्रों ने प्रदर्शन किया था। उस दौरान भी जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर छात्रों को धरना देने से रोकते हुए पुलिस ने उन्हें वहां से हटा दिया था। लगातार दूसरे दिन हुई पुलिस कार्रवाई के बाद छात्रों में नाराजगी और बढ़ गई है। छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि पेपर लीक जैसे मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई और उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

## शिक्षा व्यवस्था में सुधार व छात्रसंघ चुनाव बहाली को लेकर सौंपा ज्ञापन

**आजमगढ़, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।** शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक और छात्रसंघ चुनाव बहाल किए जाने की मांग को लेकर मंगलवार को छात्र–छात्राओं एवं युवाओं के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। छात्र नेता अखिलेश पाण्डेय के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि प्रतियोगी एवं शैक्षणिक परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही पेपर लीक की घटनाओं से लाखों विद्यार्थियों की मेहनत पर पानी फिर रहा है। इससे युवाओं का परीक्षा प्रणाली और व्यवस्था पर विश्वास कमजोर हो रहा है। छात्रों ने मांग की कि देशभर में पेपर लीक की घटनाओं पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए तथा इसमें शामिल माफियाओं और दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनावों पर लगी रोक हटाकर शीघ्र चुनाव कराने की भी मांग की। उनका कहना था कि छात्रसंघ लोकतांत्रिक नेतृत्व विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है और इससे विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं उठाने का अवसर मिलता है। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि सभी भर्ती एवं प्रतियोगी परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता और निर्धारित समय–सीमा के भीतर संपन्न कराई जाएं। साथ ही शिक्षा तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाए। इस दौरान अभिनव यादव, ऋषभ मौर्या, प्रियांशु यादव, रविकांत यादव, अमन यादव, सुनील कुमार, विशाल यादव, लक्ष्मण यादव, अतुल यादव, रितेश यादव, आमिशा खान, दुर्गविजय मौर्य, अजीत सहित अन्य छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

## दोहरे हत्याकांड का मुख्य आरोपी 50 हजार का इनामी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

**पवई, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।** पवई थाना क्षेत्र के चर्चित दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी एवं 50 हजार के इनामी बदमाश संतोष यादव को मंगलवार तड़के पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में की गई नियंत्रित कार्रवाई में उसके दोनों पैरों में गोली लगी। घायल आरोपी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पवई भेजा गया। पुलिस के अनुसार 9/10 जुलाई की रात पवई थाना क्षेत्र के हेवती गांव में पैतृक संपत्ति के विवाद को लेकर संतोष यादव ने अपने सगे दादा जगदंबा प्रसाद तथा चचेरे भाई श्रीवांशु यादव उर्फ अंकित की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी थी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। थानाध्यक्ष मनीष पाल को मुखबिर से सूचना मिली कि इनामी आरोपी मोटरसाइकिल से ओरिल की ओर से हेवती आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने रसूलाबाद मोड़ के पास घेराबंदी कर दी। पुलिस का दावा है कि पुलिस टीम को देखकर आरोपी भागने लगा, लेकिन बारिश के कारण उसकी मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। इसके बाद उसने अवैध तमंचे से पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हो गया और मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने पैतृक जमीन के बंटवारे और आर्थिक विवाद के चलते दादा और चचेरे भाई की कुल्हाड़ी से हत्या करने की बात स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से .315 बोर का एक अवैध देशी तमंचा, एक जीवित कारतूस, तीन खोखा कारतूस, हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल तथा 600 नकद बरामद किए हैं।

## हाईकोर्ट के आदेश के विरोध में अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च कर किया प्रदर्शन

**आजमगढ़, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।** इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश के विरोध में मंगलवार को दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता पूरे दिन न्यायिक कार्य से विरत रहे। अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकालकर विरोध जताया और प्रस्तावित व्यवस्था पर पुनर्विचार की मांग की। इस संबंध में दीवानी न्यायालय अभिभाषक संघ की साधारण सभा की आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष प्रभाकर सिंह ने तथा संचालन मंत्री अनुराग कुमार दीक्षित ने किया।

बैठक में अधिवक्ताओं ने उस न्यायिक व्यवस्था पर आपत्ति जताई, जिसके तहत सात वर्ष या उससे अधिक की सजा वाले अपराध में एफआईआर दर्ज होने पर अधिवक्ता की प्रैक्टिस पर रोक लगाए जाने की बात कही गई है। अधिवक्ताओं का कहना था कि इस प्रकार की व्यवस्था उनके पेशेवर अधिकारों और स्वतंत्र रूप से वकालत करने के अधिकार को प्रभावित करती है तथा इस विषय पर व्यापक विमर्श आवश्यक है। बैठक में शासकीय अधिवक्ता इन्द्रेश मणि त्रिपाठी पर हुए प्राणघातक हमले की भी निंदा की गई तथा हमलावरों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठाई गई। बैठक के बाद अधिवक्ता न्यायालय परिसर से पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया और पूरे दिन न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया।

अधिवक्ताओं ने कहा कि यदि प्रस्तावित व्यवस्था लागू की जाती है तो इससे अधिवक्ताओं की स्वतंत्रता और न्यायिक व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने मांग की कि किसी भी निर्णय से पहले प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों तथा अधिवक्ताओं के वैधानिक अधिकारों का पूरा ध्यान रखा जाए। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि सभा में पारित प्रस्ताव को उच्च स्तर पर भेजा जाएगा। साथ ही चेतावनी दी कि यदि उनकी आपत्तियों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

## अवैध ऑनलाइन कीटनाशक बिक्री पर कृषि विभाग ने जारी किया चेतावनी

**आजमगढ़, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।** जनपद में ऑनलाइन माध्यम से अवैध रूप से कीटनाशी रसायनों की बिक्री करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला कृषि रक्षा अधिकारी एवं अनुज्ञापन अधिकारी हिमांचल सोनकर ने बताया कि अपर कृषि निदेशक (कृषि रक्षा), उत्तर प्रदेश के निर्देश पर ई–वाणिज्य (ई–कॉमर्स) प्लेटफॉर्म के माध्यम से कीटनाशियों की बिक्री करने वाली फर्मों की निगरानी बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि सभी थोक एवं फुटकर कीटनाशी विक्रेताओं को कीटनाशी अधिनियम–1968 तथा कीटनाशी नियम–1971 के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करना होगा। प्रत्येक विक्रेता के पास वैध लाइसेंस होना अनिवार्य है तथा केवल पंजीकृत एवं अनुमोदित कीटनाशी उत्पादों का ही विक्रय किया जा सकता है। साथ ही प्रत्येक बिक्री का रिकॉर्ड संधारित करना और उत्पादों पर बैच संख्या, निर्माण एवं समाप्ति तिथि सहित सभी आवश्यक विवरण अंकित होना भी जरूरी है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने बताया कि विभाग के संज्ञान में आया है कि कुछ विक्रेता बिना वैध लाइसेंस और आवश्यक अनुमति के ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से चोरी–छिपे कीटनाशी उत्पादों की बिक्री कर रहे हैं। यह कीटनाशी अधिनियम एवं नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। ऐसे मामलों में संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ प्राकृतिक जल संसाधनों से समृद्ध जनपद है। यहां घाघरा और तमसा सहित 13 नदियां तथा 144 ताल–तालाब हैं। इन जल स्रोतों को प्लास्टिक मुक्त रखने और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।

## भूजल संरक्षण जन-आंदोलन बने, हर बूंद बचाने का लें संकल्प

**आजमगढ़, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।** भूजल सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय में भूजल संरक्षण एवं जल प्रबंधन९ विषय पर जागरूकता गोष्ठी एवं कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में जल संरक्षण को जन–आंदोलन बनाने और वर्षा जल संचयन को अपनाने का आह्वान किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने घर, गांव और मोहल्ले में वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने और समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की।

मुख्य वक्ता राजकीय पॉलिटेक्निक के शिक्षक, जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक एवं राज्य भूजल पुरस्कार से सम्मानित इंजीनियर कुलभूषण सिंह ने कहा कि इस वर्ष भूजल सप्ताह ष्जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प९ थीम पर मनाया जा रहा है। उन्होंने ऑडियो–विजुअल प्रस्तुति के माध्यम से भूजल संरक्षण, जल प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत के पास विश्व के मात्र चार प्रतिशत मीठे जल संसाधन हैं, जबकि यहां विश्व की 18 प्रतिशत आबादी निवास करती है। वर्षा जल का केवल आठ प्रतिशत ही भूगर्भ में रिचार्ज हो पाता है। यदि जल संरक्षण के प्रभावी उपाय नहीं किए गए तो वर्ष 2030 तक जल संकट और गंभीर हो सकता है। इंजीनियर कुलभूषण सिंह ने बताया कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में इस वर्ष सामान्य से कम और अनियमित वर्षा होने के कारण भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। उन्होंने किसानों से कम पानी वाली फसलों को अपनाने तथा ड्रिप सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने की अपील की।

## खुटहना रेलवे अंडरपास में जलभराव से राहगीर परेशान, समाधान की उठी मांग

**फूलपुर, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।** संजरपुर–खुटहना मार्ग स्थित रेलवे फाटक पर नवनिर्मित अंडरपास में बारिश का पानी भर जाने से राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार जलभराव के कारण दोपहिया और अन्य छोटे वाहन चालकों के लिए आवागमन जोखिम भरा हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले दो दिनों से अंडरपास में पानी जमा होने के कारण कई बाइक पानी में बंद हो गईं, जिससे वाहन चालकों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था न होने से प्रत्येक बारिश के बाद यही स्थिति उत्पन्न हो जाती है। सामाजिक कार्यकर्ता जाकिर हुसैन ने रेलवे प्रशासन, स्थानीय विधायक और सांसद से मामले का संज्ञान लेते हुए शीघ्र स्थायी समाधान कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अंडरपास का निर्माण लोगों की सुविधा के लिए किया गया था, लेकिन जलभराव के कारण यह अब परेशानी का कारण बन गया है। उन्होंने मांग की कि अंडरपास में जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था कराई जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनपद में जहां–जहां रेलवे फाटकों के स्थान पर अंडरपास बनाए गए हैं, वहां अधिकांश स्थानों पर बारिश के दौरान जलभराव की समस्या सामने आती है। ऐसे में रेलवे और संबंधित विभागों को इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान करना चाहिए, ताकि आवागमन सुरक्षित और सुगम हो सके।

## 190 मीटर जर्जर खड़ंजा की मरम्मत की किया मांग

**पवई, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।** पवई विकासखंड के ग्राम सभा आलमपुर में जर्जर खड़ंजा मार्ग की मरम्मत की मांग तेज हो गई है। भाजपा जिला महामंत्री एवं जिला सहमंत्री सदस्य प्रेम सागर ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जनहित में सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम सभा आलमपुर में भीमराव अंबेडकर मंदिर से दलसिंगार के घर तक करीब 190 मीटर लंबा खड़ंजा मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। सड़क टूटने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दौरान मार्ग पर जलभराव और कीचड़ होने से स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है।

भाजपा नेता प्रेम सागर ने जिलाधिकारी से मांग की कि ग्रामीणों की समस्याओं को देखते हुए संबंधित विभाग को तत्काल सड़क की मरम्मत कराने के निर्देश दिए जाएं, ताकि लोगों को राहत मिल सके। जिलाधिकारी कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को आवश्यक कार्रवाई कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की मरम्मत नहीं होने के कारण रोजमर्रा का आवागमन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

## नीट-2026 में सफल मेधावियों का सर्वोदय पब्लिक स्कूल में हुआ सम्मान

**आजमगढ़, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।** हरबंशपुर स्थित सर्वोदय पब्लिक स्कूल परिसर में मंगलवार को नीट–2026 में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने वाले विद्यालय के पूर्व छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विद्यालय प्रबंधन ने मेधावी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के छात्र प्रशांत यादव ने ऑल इंडिया रैंक 3617, अनुज यादव ने 13353, शरद यादव ने 15149, सिद्धांत यादव ने 20580 तथा सौरभ यादव ने 22111 रैंक प्राप्त कर विद्यालय और जनपद का नाम रोशन किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद यादव, निदेशिका कंचन यादव, प्रधानाचार्या सुकांक्षा अवस्थी तथा उपप्रधानाचार्य संजय कुमार विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से सभी सफल विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को माल्यार्पण, अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद यादव ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में परिवार का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने वर्तमान छात्रों से इन मेधावियों से प्रेरणा लेकर अनुशासन, परिश्रम और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया। प्रधानाचार्या सुकांक्षा अवस्थी ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता पूरे विद्यालय के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने सभी सफल छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे आने वाली पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक बनेंगे और अन्य छात्र भी उनसे प्रेरणा लेकर सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे।

## स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष पद के लिए आवेदन 24 अगस्त तक

**आजमगढ़, 21 जुलाई (देवव्रत संवाद)।** उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जनपद आजमगढ़ सहित प्रदेश के आठ जिलों में गठित स्थायी लोक अदालतों के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 24 अगस्त 2026 तक अपना आवेदन भेज सकते हैं। प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद न्यायालय आजमगढ़ अनुपम कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आजमगढ़, बलरामपुर, महोबा, संतकबीरनगर, पीलीभीत, अलीगढ़, एटा एवं मथुरा जनपदों की स्थायी लोक अदालतों में अध्यक्ष के एक–एक पद पर नियुक्ति की जानी है। उन्होंने बताया कि इस पद के लिए वही अभ्यर्थी आवेदन करने के पात्र होंगे, जो जिला न्यायाधीश, अपर जिला न्यायाधीश अथवा जिला न्यायाधीश से उच्च पद के न्यायिक अधिकारी हैं या रह चुके हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक प्रमाण–पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियों के साथ आवेदन पत्र सदस्य सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, 4/7, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ के पते पर भेजना होगा। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 24 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है।